A Daily News Magazine
भोपाल
मंगलवार, 08 अक्टूबर, 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-41 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

भारतीय मुस्लिम नेताओं को हिजबुल्लाह से हमदर्दी नहीं रखनी चाहिए...

आमना बेगम

इज़रायल द्वारा हसन नसरल्लाह की हत्या ने हिजबुल्लाह को करारा झटका दिया है। भू-राजनीतिक दृष्टि से, हिजबुल्लाह नेता की हत्या को बेंजामिन नेतन्याहू के लिए एक ऐसे महत्वपूर्ण क्षण के रूप में देखा जा सकता है, जिसे बदला नहीं जा सकता। यह घटनाक्रम या तो हिजबुल्लाह के मनोबल को खत्म कर सकता है या उसके सदस्यों के गुस्से को भड़का सकता है और उन्हें उकसा सकता है। लेकिन आमतौर पर, जब एक नेता जिसकी पहचान का आधार धर्म है, उसे खत्म कर दिया जाता है, तो ऐसे संगठनों की प्रभावशीलता कम हो जाती है। एक नए नेता के लिए तुरंत उसी स्तर की पकड़ बना पाना और प्रभाव हासिल कर पाना मुश्किल होता है।

राजनीतिक और उग्रवादी शाखाओं में विभाजित हिजबुल्लाह को अमेरिका, सऊदी अरब, बहरीन, यूरोपीय संघ और अरब लीग सहित कई देशों द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है। हालांकि मध्य पूर्वी भू-राजनीति में इस समूह की भूमिका के बारे में बहुत कुछ लिखा जा चुका है, लेकिन जिस बात ने मेरा ध्यान खींचा, वह है नसरल्लाह की मौत पर दुनिया भर में हुई प्रतिक्रिया, विशेष रूप से भारतीय मुसलमानों के बीच।

इनमें से कुछ बहुत ही परेशान करने वाले हैं - जैसे कि सोमवार शाम को दिल्ली में इंडिया इस्लामिक कल्चर सेंटर में आयोजित प्रार्थना और शोक सभा, जिसमें नसरल्लाह और अन्य हिजबुल्लाह अधिकारियों को श्रद्धांजलि दी गई। नसरल्लाह की मौत के जवाब में मुख्य रूप से शिया संगठनों द्वारा आयोजित कई विरोध रैलियां भी हुईं।

यह देखना निराशाजनक है कि मुसलमानों का एक वर्ग और विशेष रूप से उनका नेतृत्व इस तरह के घटनाक्रमों के इर्द-गिर्द की बारीकियों और जटिलताओं को स्वीकार करने में विफल रहता है, खासकर भारत के अपने आंतरिक सुरक्षा मुद्दों को देखते हुए। उनके बयान और कार्य हिजबुल्लाह और उसके इजरायल-विरोधी रुख के साथ धार्मिक एकजुटता से प्रेरित हैं, जबकि वे खुद को चरमपंथी उग्रवाद से अलग करने की आवश्यकता की अनदेखी करते हैं। जब प्रमुख मुसलमान चेहरे राष्ट्रीय हितों की अनदेखी करके अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों के संदर्भ में 'मुस्लिम होने' की भावना के इर्द-गिर्द मुसलमानों को एकजुट करते हैं, तो वे मुस्लिम समुदाय और राष्ट्र दोनों को नुकसान पहुंचाते हैं।

कई आम मुसलमान, खास तौर पर पसमांदा मुसलमान, मध्य पूर्वी भू-राजनीति की जटिलताओं को पूरी तरह से नहीं समझ सकते हैं, लेकिन वे आसानी से अपने साथी मुसलमानों के लिए एकजुटता दिखाने के लिए हिजबुल्लाह के साथ सहानुभूति रख सकते हैं। हालांकि, असली मुद्दा उन प्रमुख लोगों के साथ है जो जटिलताओं को समझते हैं और फिर भी भावनात्मक राजनीति करना चुनते हैं। ये नेता, जिन्हें राष्ट्रीय हितों और भारतीय मुसलमानों के सामने आने वाले वास्तविक मुद्दों को प्राथमिकता देनी चाहिए, या तो कबीलाई वफ़ादारी में फंसे हुए हैं या सत्ता हथियाने की ख़तरनाक इच्छा दिखाते हैं, चाहे इससे समुदाय और राष्ट्र के हितों का कितना ही नुकसान क्यों न हो।

हिजबुल्लाह को आधिकारिक तौर पर आतंकवादी संगठन घोषित करने में भारत की स्पष्ट अनिच्छा को अक्सर उसके प्रति सहानुभूति के बहाने के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। फिर भी, दो-राज्य समाधान के पक्ष में भारत के आधिकारिक रुख के बावजूद, इज़रायल की निंदा करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है। तर्क अक्सर मानवाधिकारों की ओर मुड़ जाता है, जो अपने आप में समस्या वाली बात नहीं है- अपने सह-धर्मियों के अधिकारों के लिए खड़ा होना समझ में आता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि मानवाधिकारों के प्रति यह चिंता अन्य संदर्भों में क्यों नहीं जताई जाती?

हमारे पड़ोसी देशों में मानवाधिकारों के हनन की बात आने पर इतनी आवाज़ क्यों नहीं उठती? ज़्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि भारत में ही मानवाधिकारों के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया जाता। उदाहरण के लिए, कश्मीरी अल्पसंख्यकों के अधिकार या उससे भी ज़्यादा व्यापक रूप से मुस्लिम समुदाय में महिलाओं के अधिकारों को नज़रअंदाज़ किया जाता है या दरकिनार कर दिया जाता है। मानवाधिकारों के लिए यह चुनिंदा चिंता बताती है कि यह मुद्दा सिद्धांतों से ज़्यादा राजनीति और भावुकता से जुड़ा है - जो सिर्फ़ यही साबित करता है कि उनके तर्क में कोई विश्वसनीयता नहीं है।

क्या इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर (आईआईसीसी), जिसका नेतृत्व मुख्य रूप से अशराफ़ अभिजात वर्ग करता है, ने कभी हिंदुओं, ईसाइयों या यहां तक कि सिखों के मानवाधिकारों को स्वीकार करने के लिए कोई कार्यक्रम आयोजित किया है? मुझे ऐसा कोई उदाहरण याद नहीं आता।

फिर भी, उन्होंने हिजबुल्लाह जैसे संगठन के एक नेता को सम्मानित करना उचित समझा, जिसे कि कई अरब देशों द्वारा आधिकारिक तौर पर आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया गया है। जबकि आईआईसीसी का उद्देश्य इस देश के लोगों के बीच आपसी समझ और सौहार्द्र को बढ़ावा देना है, लेकिन इसके कार्य इसके विपरीत संकेत देते हैं।

मैं कहूंगी कि पसमांदा मुस्लिम नेताओं ने आईआईसीसी की प्रासंगिकता पर सवाल उठाकर सही काम किया है, यहां तक कि उन्होंने यह सुझाव भी दिया है कि मुसलमानों के उत्थान के लिए काम करने में इसकी सीमित भूमिका को देखते हुए सरकार को इसे अस्पताल में बदल देना चाहिए। लेकिन पसमांदाओं के बीच भी हिजबुल्लाह के प्रति प्रतिक्रिया कम रही है। अतीत में, समुदाय के एक प्रमुख संगठन पसमांदा मुस्लिम महाज ने इजरायल-फिलिस्तीन मुद्दे पर भारत सरकार के रुख के साथ तालमेल बिठाया था, और हमास द्वारा नागरिकों पर हमले की निंदा की थी। लेकिन संगठन ने हिजबुल्लाह पर कोई बयान जारी नहीं किया, जो भारतीय मुसलमानों के बीच एक सामूहिक वास्तविकता को दर्शाता है। समुदाय या तो नसरल्लाह की मौत पर शोक मना रहा है या उदासीन बना हुआ है। दोनों ही बातें खराब हैं। भारत में अन्य समुदायों के एक वर्ग को भारतीय मुसलमानों का यह कृत्य इस हद तक कबीलाई लगता है कि वे आतंकवाद का समर्थन भी करते हैं।

दुखद वास्तविकता यह है कि भारतीय मुस्लिम समुदाय में ऐसी धारणाओं या सामान्यीकरणों का मुकाबला करने के लिए सामाजिक पूंजी का अभाव है। और यह कैसे हो सकता है, जब इसके अभिजात वर्ग चरमपंथी तत्वों का महिमामंडन करने में अपनी ऊर्जा बर्बाद करते हैं? समुदाय के रोल मॉडल वे लोग नहीं हैं जिन्होंने सफलता हासिल की है, मानवता की सेवा की है या राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है, बल्कि वे लोग हैं जो निरंतर टकराव में फंसे रहते हैं।

समुदाय के भीतर सामान्य राजनीतिक मान्यताओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता है ताकि स्वीकार्य विचारों और चर्चाओं की सीमा संकीर्ण और पुरातन मानसिकता और नैरेटिव से परे हो।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

पत्ते-पत्ते, डाली- डाली
कहते एक कहानी
बोल रहीं गुमसुम शाखाएं
आंधी आने वाली
अंधों की बारात चली है
रस्ता कौन दिखाये
पीने वाले जमा हो गये
लेकिन खाली प्याली
वादों का थैला लेकर
कल आया इक व्यापारी
लूट ले गया देखो बागों की
सारी हरियाली
रातें उजली चादर पहने
रोज लुभाती मन को
धीरज कैसे रक्खें सुबहें
आतीं काली-काली
वक्त नहीं है इंतजार का,
हमें बनानी होगी
इक सुरंग इस धरती से
सूरज तक जाने वाली।

- सुभाष राय

भारत की सुरक्षा को नुकसान नहीं पहुंचने देंगे: राष्ट्रपति मुइज्जू

● 'हमारे संबंध सदियों पुराने हैं', मालदीव की तारीफ में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा कि उनके देश की 'मालदीव फर्स्ट' की नीति से भारत के संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मालदीव कभी भी ऐसा कुछ नहीं करेगा जिससे भारत की सुरक्षा को नुकसान पहुंचे। मीडिया को दिए गए एक इंटरव्यू में मुइज्जू ने ये भी कहा कि दूसरे देशों के साथ मालदीव के संबंधों का भारत के साथ रिश्ते पर असर नहीं पड़ेगा।

मुइज्जू ने कहा कि मालदीव, भारत के साथ रणनीतिक संबंध बनाना जारी रखेगा क्योंकि भारत एक अहम साझेदार और दोस्त है। उन्होंने कहा कि मालदीव क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा के लिए भारत के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। मुइज्जू ने हैदराबाद हाउस में पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी और मुइज्जू ने मालदीव में हनीमाधू इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन किया। इस दौरान मुइज्जू ने पीएम मोदी को मालदीव आने का निमंत्रण भी दिया।

मोदी बोले-

भारत ने हमेशा मालदीव के लोगों की परवाह की– दोनों देशों के नेताओं की मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत और मालदीव के संबंध सदियों पुराने हैं। भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और घनिष्ट मित्र देश है। हमारी नेबरहुड पॉलिसी और सागर विजन में मालदीव का अहम स्थान है।

राष्ट्रपति भवन में मुइज्जू का स्वागत – राष्ट्रपति मुइज्जू का सोमवार को राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। इस दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इससे पहले मालदीव के राष्ट्रपति रविवार शाम को भारतीय रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के प्लेन से नई दिल्ली पहुंचे थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में उनका स्वागत किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी भी मौजूद थे। इसके बाद मुइज्जू राजघाट स्थित महात्मा गांधी की समाधि पर गए और श्रद्धांजलि अर्पित की।

महिला सशक्तिकरण का रोल मॉडल बना मध्यप्रदेश

महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वावलंबन सरकार की पहली प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महिलाओं और बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वावलंबन राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। महिला के सशक्तिकरण के लिये प्रदेश में अनेक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर उन्हें आत्म-निर्भर बनाया गया है। महिला सशक्तिकरण का 'मध्यप्रदेश मॉडल' देश में अनूठा है, जिससे प्रेरित होकर अन्य राज्यों ने भी मध्यप्रदेश की महिला कल्याण की योजनाओं का अनुसरण कर अपने राज्यों में लागू किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बात चाहे प्रधानमंत्री आवास के माध्यम से हर परिवार को पक्की छत देने की हो, या घर-घर शौचालय बनाकर खुले में शौच से मुक्ति दिलाने की। नल-जल योजना से घर तक शुद्ध पेयजल पहुँचाना हो या उज्ज्वला योजना से रसोई को धुंआ मुक्त बनाने का संकल्प हो। इन सभी योजनाओं का प्रदेश में बेहतर संचालन एवं क्रियान्वयन हुआ है। इसके अलावा महिलाओं को आत्म-निर्भर बनाने के लिये महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक सहयोग प्रदान कर उन्हें स्व-रोजगार से न केवल जोड़ा है, बल्कि उन्हें लखपति दीदी भी बनाया है। आज समूह की महिलाएँ के द्वारा निर्मित उत्पाद बाजारों में बिक रहे हैं। साथ ही उनका विक्रय ऑनलाइन मॉर्केटिंग से भी किया जा रहा है।

महिला एवं बाल विकास विभाग का बजट 81 प्रतिशत बढ़ा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार महिला सशक्तिकरण के हर संकल्प को पूर्ण करने शिद्दत से कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में महिला एवं बाल विकास विभाग का बजट 81 प्रतिशत बढ़ाते हुए 26 हजार 560 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इसमें लाड़ली बहना योजना के लिये 18 हजार 984 करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख से अधिक लाड़ली बहनें इस योजना से लाभान्वित हो रही है। राज्य सरकार उनके मान-सम्मान और स्वाभिमान को सुरक्षित रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

महिलाओं के हित में महत्वपूर्ण फैसले

- राज्य सरकार ने महिलाओं के हित में एक बड़ा फैसला लेते हुए उनके नाम जमीन, दुकान और घर की रजिस्ट्री कराने पर स्टाम्प शुल्क पर अतिरिक्त छूट दी है। इससे बहनों के पास संपत्ति की शक्ति आई है और समाज में उनका मान बढ़ा है।
- सेनिटेशन एवं हाईजीन योजना अंतर्गत 19 लाख से अधिक बालिकाओं के बैंक खाते में 57 करोड़ 18 लाख रुपए की राशि का अंतरण किया गया है।
- मध्यप्रदेश में महिलाओं को निकाय चुनाव एवं शिक्षक भर्ती में 50 प्रतिशत, पुलिस भर्ती में 33 प्रतिशत और अन्य भर्तियों में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है।
- स्टार्ट-अप नीति में भी महिलाओं के लिये विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया, जिसके फलस्वरूप प्रदेश के कुल स्टार्ट-अप्स में से 47 प्रतिशत की मालकिन महिलाएं हैं।
- महिला उद्यमियों के प्रोत्साहन के लिए 850 एमएसएमई इकाइयों को 275 करोड़ रुपए की सहायता उपलब्ध कराई गई।
- मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने वालों को मृत्यु दंड देने वाला देश का पहला राज्य मध्यप्रदेश है।
- मध्यप्रदेश में महिलाओं से जोर-जबरदस्ती से या बहला-फुसला कर विवाह और धर्म परिवर्तन पर लगाम लगाने के लिए धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम लागू किया गया।

एक साल बाद पन्ना टाइगर रिजर्व में गूंजी किलकारी, बाघिन पी-141 ने दिया चार शावकों को जन्म

● पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या 90+

पन्ना (नप्र)। पन्ना टाइगर रिजर्व में एक साल बाद एक बार फिर नन्हें शावकों की किलकारी गूंजी है। यहां बाघिन पी-141 ने 4 शावकों को जन्म दिया। बाघों के दीदार करने पहुंचे पर्यटकों ने इसके वीडियो ओर फोटो साझा किए हैं। इसके बाद प्रबंधन ने पुष्टि की और बताया कि यह बहुत ही सुखद खबर है।

बता दें कि पन्ना टाइगर रिजर्व बाघों के लिए अनुकूल है और इनकी लगातार संख्या बढ़ती जा रही जो अब 90 के पार पहुंच गई है। पन्ना टाइगर रिजर्व 2008-09 में बाघ विहीन हो चुका था, इसके बाद पुर्नस्थापना कर कान्हा से और पेंच से यहां बाघ बाघिन लाए गए।उचित प्रबंधन और अनुकूल वातावरण के चलते पन्ना टाइगर रिजर्व के अधिकारियों कर्मचारियों की मेहनत रंग लाई। आज पन्ना टाइगर रिजर्व बाघों से गुलजार हो रहा है और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

अंतरिक्ष में कामयाबी की तरफ बढ़ रहे भारत के कदम

● इसरो का नया मिशन 4.0 इसीलिए खास

बेंगलुरु (एजेंसी)। इसरो ने अंतरिक्ष विभाग में स्वच्छता को बढ़ावा देने और पुराने कामों को निपटाने के लिए विशेष अभियान 4.0 शुरू किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने स्वच्छता में सुधार और लंबित कार्यों को निपटाने के उद्देश्य से एक बड़ी सरकारी पहल के हिस्से के रूप में अपना विशेष अभियान 4.0 शुरू किया है।

यह अभियान 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2024 तक चलेगा और इसमें ऑटोनॉमस बॉडी और सार्वजनिक क्षेत्र के डिपार्टमेंट (पीएसई) सहित अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) के तहत सभी कार्यालय शामिल थे।

2 अक्टूबर से 31 तक चलेगा कैंपेन

इसरो ने सोमवार को एक ट्वीट के माध्यम से कहा, बेंगलुरु में इसरो मुख्यालय ने प्रभावशाली गतिविधियों के साथ SpecialCampaigny की शुरुआत की! अब, 2 से 31 अक्टूबर 2024 तक, अंतरिक्ष विभाग,ऑटोनॉमस बॉडी और PSEs सहित इसके कार्यालय, विशेष अभियान के लिए तैयारी कर रहे हैं।

यह है अगला मिशन?

4.0. स्वच्छता बढ़ाने और लंबित संदर्भों को निपटाने पर केंद्रित, यह अभियान प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग 'डीएआरपीजी' के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पिछले 3 सालों की मेहनत को दर्शाता है। कार्यों को और बेहतर बनाने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं और अभियान की योजना बनाने और कार्यान्वयन के लिए हर स्तर पर बैठकें आयोजित की गई हैं। अभियान के दौरान सारा काम प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करेगा।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 08 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

मेधावी छात्रों के लिए म.प्र.सरकार की दमदार योजना, हर माह मिलेंगे 8 हजार रुपए

● एकलव्य शिक्षा योजना में छात्रवृत्तियां भी ● तेंदूपत्ता संग्राहकों के मेधावी बच्चों को मिलेगा लाभ

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के तेंदूपत्ता संग्राहकों के मेधावी बच्चों को राज्य सरकार इंजीनियरिंग, ला और मेडिकल कोर्स की कोचिंग कराएगी। इसके लिए मेधावी बच्चों को कोचिंग का भत्ता भी दिया जाएगा। मध्य प्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ ने अपनी एकलव्य शिक्षा विकास योजना का विस्तार करते हुए यह नए प्रविधान किए हैं।

इसके अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्राहकों, फड़ मुंशियों एवं प्राथमिक लघु वनोपज समितियों के प्रबंधकों के मेधावी बच्चों को इसी वर्ष से 12वीं में 60 प्रतिशत से अधिक अंकों से उत्तीर्ण होने पर व्यावसायिक कोर्स जैसे इंजीनियरिंग एवं विधि (ला) और मेडिकल की कोचिंग के लिए भत्ता दिया जाएगा।

12 माह तक आठ हजार रुपये प्रति माह- भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर एवं रीवा संभागीय मुख्यालयों के लिए 12 माह तक आठ हजार रुपये प्रति माह, अन्य संभागीय मुख्यालयों के लिए छह हजार रुपये प्रति माह तथा संभागीय जिलों को छोड़कर शेष अन्य जिलों के लिए 3500 रुपये प्रति माह कोचिंग भत्ता दिया जाएगा।

नौवीं से स्नातक तक पढ़ाई में आर्थिक मदद करता है लघु वनोपज संघ

वर्ष 2022-23 से एकलव्य शिक्षा योजना के तहत कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों के लिए 15 हजार रुपये, कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को 18 हजार रुपये, गैर तकनीकी स्नातक उपाधि प्राप्त अध्ययनरत विद्यार्थी के लिए 25 हजार रुपये एवं व्यवसायिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए 60 हजार रुपये प्रति वर्ष छात्रवृत्ति प्रदान करता है। अब इंजीनियरिंग, ला और मेडिकल जैसी डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने के लिए कोचिंग में भी मदद की जाएगी।

मप्र में 16 लाख परिवारों के 41 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक

मध्य प्रदेश में वनोपज तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाले 16 लाख परिवार है और इनमें कुल 41 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक है। इनमें अधिकांश तेंदूपत्ता संग्राहक आदिवासी परिवार है जो जंगल से सटे गांवों में निवास करते हैं और केवल वन संपदा पर ही निर्भर हैं। राज्यपाल मंगुभाई पटेल भी समय-समय पर आदिवासी परिवारों के उत्थान के लिए दिशा-निर्देश देते आए हैं। राज्यपाल की पहल ही वन विभाग इस दिशा में आगे बढ़कर पहल की है।

संक्षिप्त समाचार

चिकित्सा के नोबेल का ऐलान

माइक्रो आरएनए की खोज के लिए विक्टर एंब्रोस-गैरी रुवकुन को चुना गया

स्टॉकहोम (एजेंसी)। वर्ष 2024 के लिए चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार का ऐलान हो गया है। इस साल चिकित्सा में नोबेल पुरस्कार विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को दिया गया। इसका ऐलान स्टॉकहोम में कारोलिंस्का

इंस्टीट्यूट में नोबेल असेंबली ने किया। इस साल चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार माइक्रोआरएनए की खोज और ट्रांसक्रिप्शन के बाद जीन एक्प्रेशन को रेगुलेट करने में उनकी भूमिका के लिए दिया गया। नोबेल असेंबली ने कहा कि उनकी खोज 'जीवों के विकास और कार्य करने के तरीके के लिए मौलिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो रही है।'

चुनाव से पहले दिल्ली की सड़कें ठीक होंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की सड़कें जल्द ही ठीक होंगी। मैंने सड़कों की मरम्मत के लिए सीएम आतिशी को लेटर

लिखा है। मुझे खुशी है कि हमारे विधायकों और नेताओं ने शहर की सभी सड़कों का निरीक्षण किया। केजरीवाल की इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में आतिशी भी बगल में बैठी दिखीं। उन्होंने कहा- हमें केजरीवाल का लेटर मिला। इसके तुरंत बाद पीडब्ल्यू डी ने सड़कों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया।

मप्र के अनुदान प्राप्त कॉलेजों को लेकर सरकार सख्त

74 कॉलेजों ने 5 साल से ना फीस रिपोर्ट दी, ना हिस्सा, 3 दिन में मांगा जवाब

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में अनुदान प्राप्त अशासकीय कालेज प्रबंधन हर साल वसूली जाने वाले शिक्षण शुल्क का राज्य सरकार को हिसाब नहीं दे रहे हैं। कालेज प्रबंधन फीस में से सरकार को दी जाने वाली 20 फीसदी अनिवार्य राशि का भुगतान भी नहीं कर रहे हैं। राज्य शासन ने प्रदेश में संचालित कुल 74 अशासकीय कालेज प्रबंधन से तीन दिन में फीस की जानकारी मांगी है।

उच्च शिक्षा विभाग ने सभी अनुदान प्राप्त अशासकीय कालेज प्राचार्यों, अध्यक्षों, लीड कालेज के शिक्षा अधिकारी और प्राचार्यों से ट्यूशन फीस की रिपोर्ट और सरकार का अनिवार्य हिस्सा खजाने में जमा कराने को कहा है। इसको लेकर विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों में स्टूडेंट्स से वसूली जाने वाली ट्यूशन फीस संस्थागत खाते में जमा करने और कुल फीस का 20 प्रतिशत राज्य शासन के खाते में जमा करने का प्रावधान है। इसके विपरीत पिछले पांच सालों से ट्यूशन फीस की राशि वसूली जाने के बाद भी सरकार के खजाने में जमा नहीं की जा रही है। संभागीय शिक्षा अधिकारी अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों द्वारा दी जाने वाली जानकारी और जमा राशि का मिलान कर टेस्टिंग रिपोर्ट पेश करें।

50वां उस्ताद अलाउद्दीन खां समारोह आज से

मैहर में गायन, वादन और नृत्य से अर्पित करेंगे आदरांजलि

भोपाल (नप्र)। 50वां उस्ताद अलाउद्दीन खां समारोह मंगलवार, 8 अक्टूबर, मैहर में आयोजित किया जा रहा है। संस्कृति विभाग उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के संयोजन में जिला प्रशासन - 8 से 10 अक्टूबर तक समारोह आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। संचालक, संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव ने बताया कि उस्ताद अलाउद्दीन खां देश ही, बल्कि दुनिया भर के संगीत जगत में प्रख्यात थे।

शारदीय नवरात्र-भक्ति की परिकाष्ठा

नौ दिन बिना अन्न-जल... कील की खाट पर सोना

कोरबा(छत्तीसगढ़) (एजेंसी)। नवरात्र में देवी मां की आस्था में लोग पूजा अनुष्ठान विधान पूर्वक तो करते ही हैं, कुछ लोग एकदम अलग तरीका अपनाकर लोगों को आश्चर्य में भी डाल देते हैं। ऐसी ही आस्था के साथ हरदी बाजार के ग्राम नेवसा निवासी छोटेलाल चौहान की पत्नी ईश्वरी चौहान देवी मां की सेवा में जुटी हैं। उन्होंने नवरात्र में नुकीले कील से बनी खाट पर लेटकर देवी मां की साधना कर रही है। उनकी इस तरह की साधना का यह दूसरा प्रयास है। यह उनकी भक्ति की पराकाष्ठा है। ईश्वरी चौहान का कहना है कि उन्हें माता रानी ने सपना में ऐसा करने का संकेत दिया था। वे कील की खाट पर लेटकर ज्योत, जवारा जलाकर सेवा में कर रही हैं, जहां परिवार के साथ गांव के लोग भी रोजाना भजन-कीर्तन और जसगीत में पहुंचकर माता रानी के दर्शन कर रहे हैं।

महाराष्ट्र में चुनाव से पहले भाजपा को झटका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। इस बीच भाजपा को एक झटका लगा है जहां एक पूर्व मंत्री पार्टी का दामन छोड़ शरद पवार

के गुट वाली एनसीपी में शामिल हो गए। उन्हें शरद पवार की मौजूदगी में पार्टी में शामिल कराया गया। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि उनका आना एक शुभ संकेत है चुनाव घोषित होते ही और भी लोग आएंगे।

बिहार की नीतीश कुमार सरकार को गिराने के लिए हवाला डील

पटना (एजेंसी)। बिहार की नीतीश कुमार सरकार को विश्वास मत हासिल करने से रोकने के लिए हॉर्स ट्रेडिंग की गई थी। सत्ताधारी दल के विधायकों को हवाला के जरिए एडवांस पैसे भेजे गए थे। अगर नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार विश्वास मत हासिल करने में हार जाती तो विधायकों को मोटी रकम अदा की जाती। यह खुलासा आर्थिक अपराध इकाई की जांच में हुआ है।

फ्लोर टेस्ट का प्लान ईओयू ने पकड़ा

पटना के कोतवाली थाने में दर्ज एक प्राथमिकी में पैसों के लेन-देन से जुड़ी जांच के दौरान आर्थिक अपराध इकाई को हैरान करने वाले सबूत मिले हैं। ईओयू ने अपनी जांच रिपोर्ट प्रवर्तन निदेशालय को सौंप दी है।

28 जनवरी से 12 फरवरी के बीच डील

अब तक की जांच में यह खुलासा भी हुआ है कि सत्तारूढ़ दल के विधायकों को हवाला के जरिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश और झारखंड के साथ ही नेपाल से भी पैसे भेजे जा रहे थे। आर्थिक अपराध इकाई ने अवैध लेनदेन से जुड़े साक्ष्य भी ईडी को सौंप दिए हैं।

'संजय रॉय ने ही किया कोलकाता डॉक्टर का रेप और मर्डर' : सीबीआई

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता का आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामला खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। सीबीआई इस केस को लेकर हर पहलू की जांच में जुटी है। अब इस मामले में सीबीआई ने आज सियालदह कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। इस केस में पहले से ही हिरासत में लिए गए आरोपी संजय रॉय को ही सीबीआई ने मुख्य आरोपी बताया है। कोलकाता की एक विशेष अदालत के समक्ष दायर अपने आरोपपत्र में कहा गया है।

संवेदनशीलता बने भारत की पत्रकारिता का मूल्य: विकास दवे

विश्व संवाद केंद्र में मामाजी माणिकचंद्र वाजपेयी की 105वीं जयंती पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

भोपाल। भारत की पत्रकारिता एक्सलूसिव के आधार पर नहीं, संवेदनशीलता के आधार पर चलती है। यह दुर्भाग्यजनक है कि हमने पत्रकारिता में पश्चिम की अवधारणा को जैसा का तैसा स्वीकार कर लिया है। पत्रकारिता को लेकर जिस प्रकार के मुहावरे गढ़े गए, उन्हें भारतीय दृष्टिकोण से बदलने की आवश्यकता है।

यह विचार साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे ने ध्येयनिष्ठ संपादक मामाजी माणिकचंद्र वाजपेयी की 105वीं जयंती प्रसंग पर आयोजित संगोष्ठी में व्यक्त किये। विश्व संवाद केंद्र, मध्यप्रदेश की ओर से आयोजित संगोष्ठी में 'पत्रकारिता और अपेक्षाएं : वर्तमान परिप्रेक्ष्य' पर वक्ताओं ने अपने विचार प्रकट किए। संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार गिरीश उपाध्याय भी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र के अध्यक्ष लाजपत आहूजा ने की।

डॉ. विकास दवे ने कहा कि हम सिखाते हैं कि पत्रकारिता प्रोफेशन नहीं, अपितु मिशन है। याद रखिये कि मिशन हमेशा पवित्र नहीं होता और प्रोफेशन हमेशा गलत नहीं होता। पत्रकार अपने वैचारिक अधिष्ठान पर दृढ़ है तो वह अपना श्रेष्ठ योगदान समाज में दे सकता है। उन्होंने कहा कि लोकमान्य तिलक, वीर सावरकर, राजेन्द्र माथुर, अभय छजलानी और मामाजी माणिकचंद्र वाजपेयी को हम इस रूप में नहीं जानते यदि वे विचार से निर्लिप्त होते। इन सबके अपने वैचारिक पक्ष थे। डॉ. दवे ने मामाजी के साथ अपने अनुभवों को भी साझा किया। उनका कहना है कि संघ को समझना है तो डॉ. केशव हेडगेवार को समझ लीजिए। हेडगेवार को समझ लिया तो संघ के संदर्भ में सभी प्रश्न पूरे हो जाते हैं। इसी तरह मामाजी माणिकचंद्र वाजपेयी के जीवन चरित्र को समझ लिया तो पत्रकारिता के सिद्धांत एवं मूल्य ध्यान आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि एआई के खतरे को कम करना है तो हमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परियोजना में अपना योगदान देना चाहिए। इंटरनेट पर भारत की ज्ञान परंपरा के वास्तविक संदर्भों से उपलब्ध कराने से एआई उसके अनुरूप साहित्य निर्मित करने में सहयोग करेगा।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार गिरीश उपाध्याय ने कहा कि पत्रकारिता आज लोकतंत्र का वह चौथा खम्बा नहीं रह गया है, जो प्रह्लाद की पुकार पर नरसिंह भगवान को प्रकट कर दे। उन्होंने कहा कि आज की पत्रकारिता खेमों में बंट गई है। पत्रकारिता के मूल्य भी आज दिखाई नहीं देते हैं। उन्होंने कहा कि मामाजी माणिकचंद्र वाजपेयी की विचारधारा सबको पता थी।

ड्रग माफिया का भाजपा से कोई संबंध नहीं : वीडी शर्मा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस व इंटेलीजेंस, गुजरात आतंक निरोधी दस्ता (एटीएस) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की संयुक्त ऑपरेशन की सफलता से कांग्रेस के नेताओं में हड़कंप मचा हुआ है। अगर मध्यप्रदेश कांग्रेस के नेताओं को पुलिस के इस संयुक्त ऑपरेशन की भनक लग जाती तो नशे के कारोबारियों के खिलाफ भोपाल में इतनी बड़ी कार्रवाई संभव नहीं हो पाती। जिस तरह राहुल गांधी दुनिया में भारत को बदनाम करने का कार्य करते हैं, उसी प्रकार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी मध्यप्रदेश को बदनाम कर रहे हैं। कांग्रेस झूठ व छल-कपट की राजनीति करके मध्यप्रदेश पुलिस, इंटेलीजेंस के अधिकारियों का मनोबल तोड़ने का कार्य कर रही है। क्या इंटेलीजेंस जीतू पटवारी से पूछकर काम करेगी? मध्यप्रदेश के उप. मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के साथ फोटो में दिख रहे आरोपी का भाजपा से कोई. संबंध नहीं है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कांग्रेस. पटवारी बिना किसी तथ्य के झूठे और मनगढंत बातों को लेकर ट्वीट करके. मध्यप्रदेश को बदनाम करने के साथ मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारियों का मनोबल तोड़ने का कार्य कर रहे हैं।

गुजरात सड़क हादसे में 3 की मौत, 54 जख्मी

अंबाजी (गुजरात) (एजेंसी)। गुजरात के प्रसिद्ध तीर्थस्थल अंबाजी में सोमवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 54 से ज्यादा घायल हो गए। 5-6 लोगों की हालत गंभीर है। बस में करीब 60 यात्री सवार थे। हादसा अंबाजी के त्रिशूलिया घाट पर उस वक्त हुआ, जब बस अनियंत्रित होकर घाटी की रेलिंग से टकरा कर पलट गई।

बीरभूम की कोयला खदान में बड़ा धमाका, 7 मजदूरों की मौत; कई घायल

पश्चिम बंगाल (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में स्थित एक कोयला खदान में हुए एक भीषण धमाके के कारण 7 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है ।

राहुल ने दलित परिवार के साथ बनाया खाना

वीडियो साझा कर बोले- हम उस संविधान की रक्षा करेंगे, जो उनके अधिकार देता है

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को एक वीडियो साझा किया। इसमें वह दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले अजय तुकाराम सनाडे और उनकी पत्नी अंजना तुकाराम सनाडे के साथ भोजन बनाते हुए दिखे। उन्हें दंपती के साथ पारंपरिक व्यंजन बनाते और 'दलित व्यंजनों' के बारे में अधिक सीखते हुए दिखाया गया है। गांधी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस उस संविधान की रक्षा करेगी, जो बहुजनों को उनका अधिकार देता है। साथ ही कहा कि मगर समाज में सभी का सच्चा समावेश और बराबरी तभी संभव होगी, जब हर भारतीय अपने दिलों में भाईचारे की भावना के साथ कोशिश करेगा।

आज बहुत कम लोग जानते हैं... कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, दलित किचन के बारे में आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। जैसा शाहू पटोले जी ने कहा कि दलित क्या खाते हैं, कोई नहीं जानता। वो क्या खाते हैं, कैसे पकाते हैं और इसका सामाजिक और राजनीतिक महत्व क्या है, इस जिज्ञासा के साथ, मैंने अजय तुकाराम सनाडे और अंजना तुकाराम सनाडे के साथ एक दोपहर बिताई।

राहुल ने कहा हमने मिलकर चने के साग की सब्जी 'हरभऱ्याची भाजी' और बैंगन के साथ तुवर दाल बनाई।

आसमान छू रही टमाटर की कीमत

इंदौर में 120 के पार चले गए दाम

सप्लाई भी हो रही है प्रभावित

भोपाल/इंदौर (नप्र)। शहर के चोइथराम बाजार के सब्जी व्यापारियों के अनुसार इंदौर में टमाटर की कीमतें आसमान छू रही हैं। इसकी खुदरा कीमतें 120 रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर गई हैं। सब्जी और अनाज मंडी के व्यापारी मोहम्मद सलीम चौधरी ने बताया कि टमाटर महाराष्ट्र से मंगाए जा रहे हैं, लेकिन कम आपूर्ति के कारण थोक मूल्य 60 रुपये से 80 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच हैं।

महाराष्ट्र से आ रहे टमाटर

खुदरा बाजार में यही टमाटर 100 रुपये से 120 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहे हैं। चौधरी ने कहा, उच्च गुणवत्ता वाले टमाटर महाराष्ट्र से आ रहे हैं। मध्य प्रदेश में भारी बारिश के कारण टमाटर की फसल खराब हो गई है, जिससे उत्पादन में कमी आई है और कीमतों में भारी उछाल आया है। चौइथराम मंडी में टमाटर पहले 40 से 50 रुपये प्रति किलोग्राम मिल रहा था लेकिन धीरे-धीरे बढ़कर 60 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। अब थोक मूल्य 80 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। खुदरा बाजार में टमाटर अब 120 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है।

माल की आपूर्ति भी कम

उन्होंने कहा, माल की आपूर्ति भी कम है, जिससे टमाटर के दाम बढ़ रहे हैं। मध्य प्रदेश में फसल में सुधार नहीं हुआ तो टमाटर के दाम में तेजी जारी रहने की संभावना है। प्याज के दाम में भी उछाल आया है। महाराष्ट्र के नासिक से प्याज आ रहा है और उच्च गुणवत्ता वाला प्याज 50 से 60 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा है।

त्योहारी सीजन में बिक्री प्रभावित

इसी तरह, प्याज जो पहले 15 रुपये प्रति किलोग्राम बिकता था, अब थोक बाजार में 40 रुपये और खुदरा बाजार में 60 से 80 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। खुदरा विक्रेताओं का कहना है कि जो उपभोक्ता अपने घर के लिए दो किलोग्राम टमाटर खरीदते थे, वे अब आधा किलोग्राम से काम चला रहे हैं। खुदरा विक्रेताओं ने कहा है कि टमाटर के दाम में उछाल से चालू त्योहारी सीजन में बिक्री भी प्रभावित हो रही है।

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा करेंगे 25 घंटे का उपवास

कांग्रेस आज निकालेगी कैंडल मार्च; एमपी में बढ़ते रेप के मामलों पर प्रदर्शन

भोपाल (नप्र)। भोपाल के 6 नंबर बस स्टॉप के पास से कांग्रेस आज शाम कैंडल मार्च निकालेगी। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, एमपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार इसमें शामिल होंगे।

वहीं, कांग्रेस के सीनियर लीडर व पूर्व मंत्री पीसी शर्मा आज 8 अक्टूबर से 25 घंटे का उपवास करेंगे। उन्होंने बताया कि सुबह 11 बजे से 9 अक्टूबर की दोपहर 12 बजे तक 25 घंटे का उपवास रखेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और दूसरे नेता इसमें शामिल होंगे।

धर्मगुरुओं से जनसमुदाय को जगाने का करेंगे अनुरोध

शर्मा ने कहा, 8 अक्टूबर को कन्यापूजन कर यह बताया जाएगा कि हमारी संस्कृति में बेटियां देवी स्वरूपा हैं। भाजपा की सरकार में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। महिलाएं अपमानित हो रही हैं। 1 महीने में 30 से ज्यादा रेप और गैंगरेप की घटनाएं पूरे प्रदेश में सामने आ चुकी हैं। सरकार के पास कोई ठोस उपाय नहीं है। पीसी शर्मा ने बताया, इस उपवास में कांग्रेस नेता एमपी के सभी धर्मगुरुओं से अनुरोध करेंगे कि वे अपने प्रवचनों से लोगों की इन विकृत और विक्षिप्त मानसिकताओं को समाप्त करने के लिए प्रेरित करें।

कुएं में गिरा बेटा, बचाने गए पिता की मौत

खेत पर सोयाबीन काटने गए थे; तैरना नहीं आता था, बेटे को दे गए जिंदगी

खंडवा (नप्र)। संघर्ष का दूसरा नाम पिता होता है, वह संतान का दर्द, गम और आंसू नहीं देख सकता है। भले ही उसके प्राण न्यौछावर हो जाए। ऐसा ही मामला सोमवार सुबह खंडवा में देखने को आया है। यहां पैर फिसलने से 14 साल का बेटा कुएं में गिर गया। चीखने की आवाज सुन पिता दौड़ते हुए कुएं के पास पहुंचा और छलांग लगा दी। उसे तैराकी नहीं आती थी, लेकिन पानी में हाथ-पैर चलाकर उसने बेटे को किनारे लगा दिया और खुद डूब गया।

घटना पंधाना क्षेत्र के ग्राम राजपुरा की है। टीआई दीलिप देवड़ा के मुताबिक, गांव का गजानंद पिता हुकुम अपने बेटे विष्णु के साथ खेत पर गया था। सुबह साढ़े 8 करीब जब पिता सोयाबीन काट रहा था, इसी बीच बेटा कुएं के पास चले गया। पैर फिसलने से वह कुएं में गिर गया। बेटे की जान बचाने के लिए गजानंद भी कुएं में कूद गया। उसने बेटे को बचा लिया, लेकिन खुद गहरे पानी में चला गया। उसे तैरना नहीं आता था। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास खेतों पर मौजूद किसान वहां एकत्र हुए। पुलिस को सूचना दी गई, पुलिस के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने गजानंद को बाहर निकाल लिया था। उसे पंधाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विकास को वरदान बनाना है तो समाज में प्रेम, दया, करुणा, शांति की भावना को जागृत करना होगा : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

'आध्यात्मिकता द्वारा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज का निर्माण' वैश्विक शिखर सम्मेलन के समापन समारोह में हुए शामिल

भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी से विकास की तेज राह में विश्व आगे बढ़ रहा है, इसे सही दिशा देकर मानव कल्याण से जोड़ने के लिए समाज में सद्मूल्यों को विकसित करना होगा। विकास को वरदान बनाना है तो समाज में प्रेम, दया, करुणा, परोपकार और शांति की भावना को जागृत करना होगा। ब्रह्मकुमारी जैसे संस्थानों द्वारा जन-चेतना के लिए किये जा रहे कार्य सशक्त और समृद्ध भारत तथा वैश्विक खुशहाली के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल राजस्थान के माउंट आबू में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आध्यात्मिकता द्वारा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज का निर्माण वैश्विक शिखर सम्मेलन के समापन समारोह में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि 4 से 7 अक्टूबर तक आयोजित शिखर सम्मेलन के शुभारंभ सत्र में (4 अक्टूबर) राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु शामिल हुई थीं।

अच्छा मनुष्य बनकर ही स्वयं, समाज और विश्व का कल्याण किया जा सकता है सुनिश्चित

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी कहते थे आज मानव ने आकाश में पक्षी की तरह उड़ना सीख लिया है, मछली की तरह समुद्र में तैरना सीख लिया है लेकिन इंसान की तरह जमीन पर चलना नहीं सीख पाया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि वैश्विक कल्याण के लिये मानव मूल्यों को जागृत करना होगा। समाज को तोड़ने वाली शक्तियाँ कार्य कर रही हैं, परंतु खुशी की बात है कि समाज को जोड़ने वाली, चिंतन करने वाली, वैश्विक कल्याण के भाव वाली संस्थाएँ और विचारक सतत कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज विश्व ब्रह्मकुमारी जैसे संस्थानों को आशा भरी नज़रों से देख रहा है। यह वर्तमान पीढ़ी की ज़िम्मेदारी है आगामी पीढ़ी को भारत की समृद्ध संस्कृति और आध्यात्म से जोड़ने की दिशा में प्रयास करे। एक अच्छा मनुष्य बनकर ही स्वयं का, समाज का और विश्व का कल्याणकारी भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को ब्रह्मकुमारी संस्थान के प्रतिनिधियों ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। ब्रह्मकुमारी के राजयोगी श्री बृजमोहन, राजयोगिनी सुश्री चन्द्रिका दीदी सहित 20 हजार से अधिक प्रतिभागी इस सम्मेलन में शामिल थे।

प्रधानमंत्री की अगुवाई में सपनों के भारत के निर्माण का चल रहा है महायज्ञ

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गौरवशाली नेतृत्व में भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है आज भारत विश्व की 5 वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। आगामी 5 वर्षों में हम तीसरी और वर्ष 2047 तक विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। व्यापक स्तर पर तेज गति से विकास हो रहा है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ने विकास के द्वार खोले हैं। नागरिकों को सक्षम बनाने के लिये उच्चस्तरीय शिक्षा, स्वास्थ्य की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। विकास की राह के हर पड़ाव में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सपनों के भारत के निर्माण का महायज्ञ चल रहा है। इस विकास को स्थायी बनाने के लिये मानव जाति का जागृत होना आवश्यक है। इसके लिये भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और आध्यमिकता का पुनरुत्थान करना होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद कहते थे 21 वीं सदी भारत की होगी। भारत विश्वगुरु होगा। वर्तमान वैश्विक पारिस्थितियों में भारत का नेतृत्व नितांत आवश्यक है। आर्थिक विकास के साथ आध्यात्मिक विकास पर भी कार्य करना होगा। विकसित, समृद्ध और खुशहाल विश्व के निर्माण के लिये भारत की 'वसुधैव कुटुंबकम्' की सोच पर सभी को चलना होगा। वैश्विक कल्याण के इस अहम दायित्व के निर्वहन के लिये आवश्यक है कि भारत का हर नागरिक सकारात्मक भूमिका निभाकर लोक-कल्याणकारी पुनीत यज्ञ में सहभागी बने।

बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक बोले-बांग्लादेश में हिंदुओं का नरसंहार

बीसीसीआई को भारत के साथ मैच नहीं कराना था; डेढ़ हजार लोगों को दी त्रिशूल दीक्षा

भोपाल (नप्र)। भोपाल आए बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने कहा, ऐसे समय में जब बांग्लादेश में हिंदुओं का नरसंहार किया गया, अत्याचार किया गया, बीसीसीआई को बांग्लादेश के साथ मैच नहीं कराना चाहिए था।

दौनेरिया नरेला शंकरी में बजरंग दल के त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने भोपाल विभाग (भोपाल शहर और ग्रामीण क्षेत्र) के करीब डेढ़ हजार लोगों को बजरंग दल का सदस्य बनाया। उन्होंने कहा, भारत का विभाजन धर्म के आधार पर 1947 में हुआ था। 1971 में भारत के सहयोग से ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। उस समय ये समझौते हुआ था कि वहां हिंदुओं का संरक्षण होगा। इस समझौते को दबाव डालकर मनवाया जाए।

राम मंदिर निर्माण में बजरंगियों ने जवानी अर्पित की

त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम में नीरज दौनेरिया ने कहा, यह कार्यक्रम उन पराक्रमी हिंदू युवाओं के लिए है, जो अपने देश से प्यार करते हैं, देश के लिए किसी भी स्थिति तक जा सकते हैं, जिनकी रगों में देशभक्ति का खून बहता है। अयोध्या में श्री रामजन्म भूमि पर मंदिर निर्माण का 500 वर्ष का संकल्प पूरा करने के लिए बजरंगियों ने अपना जवानी अर्पित कर दिया।

कार्यक्रम में बजरंग दल के क्षेत्र संयोजक विश्ववर्धन भट्ट, प्रांत अध्यक्ष केएल शर्मा, प्रांत मंत्री राजेश जैन, प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह, प्रांत संयोजक सुशील सुडेले, विभाग मंत्री जीवन शर्मा और विभाग संयोजक दिनेश यादव मौजूद रहे।

मध्यप्रदेश की गुल्लक टीम हिमाचल सीएम से मिली

प्रतीकात्मक गुल्लक भेंट की, सुक्खू बोले-चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट के गोद लिए अनाथ पर करेंगे खर्च

भोपाल (नप्र)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से जुड़ी 'गुल्लक टीम' के सदस्यों ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से भेंट की। इस अवसर पर टीम के सदस्यों ने मुख्यमंत्री सुखाश्रय कोष के लिए एक प्रतीकात्मक गुल्लक भेंट किया।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने इस टीम के उदार अंशदान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह धनराशि प्रदेश सरकार द्वारा 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के रूप में गोद लिए गए अनाथ बच्चों की सहायता के लिए समर्पित की जाएगी।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश की गुल्लक टीम के सदस्यों से संवाद किया। यह भेंट सीएम के सरकारी आवास ओक ओवर में की गई। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री डॉ. (कर्नल) धनीराम शांडिल, मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी, विधायक हरीश जनारथा, प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान भी उपस्थित रहे।

गुल्लक टीम के सदस्यों ने 3 दिन पहले राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी रितेश कपरेट से भी मुलाकात की थी। तब इन्होंने सीएम सिंह सुक्खू से मिलने का समय मांगा था। यह टीम पिछले दिनों हरियाणा में प्रचार कर रही थी।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान ये बच्चे मध्य प्रदेश से जम्मू-कश्मीर तक की यात्रा कर चुके हैं। इनका उद्देश्य सामाजिक जागरूकता और एकजुटता को बढ़ावा देना था।

गुल्लक टीम के सदस्य

जतिन परमार- 11वीं कक्षा का छात्र
यशराज परमार- 7वीं कक्षा का छात्र
राजकुमार परमार- 12वीं कक्षा का छात्र
जिया परमार- 12वीं कक्षा की छात्रा

गरबा पंडाल में युवक ने युवती को गोद में उठाया

अश्लील हरकत के वीडियो पर हिंदू जागरण मंच का हंगामा

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन के गरबा पंडाल में युवक - युवती के अश्लील हरकत का वीडियो सामने आया है। वीडियो मित्तल होटल का है। युवक, युवती को गोद में उठाकर अश्लील हरकत करता दिख रहा है। हिंदू जागरण मंच ने इस पर कड़ा ऐतराज जताया है।

उज्जैन - इंदौर रोड पर होटल मित्तल में दो दिन गरबा का आयोजन हुआ था। 5 और 6 अक्टूबर को गरबे में एंट्री के लिए फीस 399/कपल रखी गई थी। रविवार रात 10 बजे तक पास बेचने और गरबे के दौरान हंगामे की सूचना पर हिंदू संगठन के नेता यहां पहुंचे थे।

हिंदू जागरण मंच के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य अर्जुन सिंह भदौरिया, संयोजिका नीलू चौहान और सह संयोजक रितेश माहेश्वरी ने आपत्ति जताई। गरबे के अंतिम दिन यहां का निरीक्षण किया।

उज्जैन की संस्कृति और छवि के लिए बहुत बड़ी ठेस- हिंदू जागरण मंच के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य अर्जुन सिंह भदौरिया ने बताया कि सार्वजनिक रूप से एक लड़का, लड़की को गोद में लेकर अश्लील हरकत कर रहा है। यह हमारे उज्जैन की सांस्कृति और छवि के लिए बहुत बड़ी ठेस है। जिस तरह से अश्लील हरकत माता की आराधना में की जा रही थी, वो गलत है। हम आयोजको से मांग कर रहे हैं कि वे इसका ध्यान रखें। हमने पहले भी प्रशासन को चेताया था। सह संयोजक रितेश माहेश्वरी ने कहा कि मित्तल होटल में युवक - युवती ने सारी हद पार कर दी। इसकी हम घोर निंदा करते हैं।

बच्चों को वन्य जीवन और जैव विविधता की महत्ता से बचपन में ही करें संस्कारित : श्री मंगुभाई पटेल

राज्य स्तरीय वन्य जीव सप्ताह का समापन और पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

राज्यपाल ने दिलाई वन्य जीव संरक्षण की शपथ

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि बच्चों को वन, वन्य जीव और जैव विविधता की महत्ता के बारे में बचपन से ही संस्कारित किया जाना चाहिए। माता-पिता उन्हें जैव संरक्षण की बहुलता और आवश्यकता के बारे में जागरूक और संवेदनशील बनाए। राज्यपाल श्री पटेल आज भोपाल में राज्य स्तरीय वन्य जीव सप्ताह के समापन और पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने एक से 7 अक्टूबर 2024 तक आयोजित वन्य जीव सप्ताह की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए। साथ ही वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत कर बधाई दी। राज्यपाल श्री पटेल ने उपस्थित जनों को वन्य जीव संरक्षण की शपथ भी दिलाई।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि हमारा संविधान पर्यावरण के संरक्षण, वन और वन्य जीवों की सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रदान करता है। मौलिक कर्तव्यों के तहत प्रत्येक नागरिक से पर्यावरण को सुरक्षित रखने में योगदान की अपेक्षा करता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के हिसाब से देश के सबसे बड़े वन क्षेत्र होने गौरव प्राप्त है। बाघों के अलावा, तेंदुए, घड़ियाल, चीता, भेड़िये और गिद्धों की सर्वाधिक संख्या के लिये भी प्रदेश पहचाना जाता है। हर प्रदेशवासी की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वे वन और वन्य जीव रूपी

अमूल्य धरोहर की विरासत को सहेज कर भावी पीढ़ी को सौंपने में अपना योगदान दे।

कोविड ने दिया प्रकृति के प्रति श्रद्धा और सौहार्द्र का सबक- राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सदी की सबसे बड़ी त्रासदी कोविड ने हम सबको यह सबक दिया है कि हमें सुरक्षित भविष्य के लिए प्रकृति की विविधता के प्रति श्रद्धा और सौहार्द्र के साथ रहना होगा। हमारे ऋषि-मुनियों ने भी अपने तप त्याग और साधना से हजारों साल पहले ही इकोलॉजी तंत्र के संरक्षण के लिए प्राणियों में सद्भावना का संदेश दिया था। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वन और वन्यजीवों का विशिष्ट स्थान रहा है। विभिन्न देवी-देवताओं के वाहन वन्यजीव है। अनेक विधि-विधानों में भी पेड़-पौधों की आराधना होती है।

शपथ को अपने कार्य और व्यवहारों में शामिल करें

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राज्य स्तरीय वन्य जीव सप्ताह के समापन अवसर पर उपस्थित जनों को वन्य जीव संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि आप सभी अपने कार्य, और व्यवहार में शपथ का 24 घंटे और 365 दिन पालन करे। आपका यह संकल्प वनों और वन्यजीवों के संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा प्रयासों को जन आन्दोलन बनाने में योगदान देगा। इसे अपना कर्तव्य मानकर कार्य करे।

राज्य मंत्री वन, श्री दिलीप अहिरवार ने कहा कि वन्य जीव संरक्षण और कानूनों की जागरूकता में वन्य जीव सप्ताह की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा वन्य जीव संरक्षण, पुनर्वास, अपराध नियंत्रण आदि प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी।

राज्यपाल श्री पटेल का तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। उन्होंने मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के पोस्टर, मध्यप्रदेश सामान्य तितलियाँ पोस्टर, कान्हा के पक्षी पुस्तक, मध्यप्रदेश टाइगर फान्डेशन की वार्षिक रिपोर्ट, वन्य जीव संरक्षण पर आधारित प्रकाशन का विमोचन किया। एक से 7 अक्टूबर तक आयोजित हुए वन्य जीव सप्ताह के आयोजन का प्रतिवेदन प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री व्ही.के. अंबाडे ने प्रस्तुत किया। आभार संचालक वन विहार, श्री मीना अवधेश कुमार शिवकुमार ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में वन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल, मुख्य वन संरक्षक, वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव और अधिकारी-कर्मचारी, वन्य जीव संरक्षण से जुड़े व्यक्ति, स्कूली बच्चें और उनके अभिभावक उपस्थित थे।

संपादकीय

मप्र का ड्रग्स हब बनना चिंताजनक

मप्र की राजधानी भोपाल का ड्रग्स निर्माण का हब बनना जितना चौंकाने वाला है, उससे ज्यादा चिंताजनक राज्य पुलिस और उद्योग विभाग का इस गंभीर मामले से बेखबर होना है। भोपाल के बगरोदा औद्योगिक क्षेत्र में खतरनाक ड्रग्स की फैक्टरी धड़ल्ले से चल रही थी, लेकिन किसी को इसकी हवा तक नहीं थी। राजधानी में 1814 करोड़ की एमडी ड्रग्स उस गुजरात एटीएस और एनसीबी ने जब्त की, जो छह महीने से इस पर निगाह रखे हुए थे। पुलिस ने इस मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है, इनमें एक भोपाल का है तो दूसरा महाराष्ट्र से है। तीसरा आरोपी मंदसौर का है, जो ड्रग्स सप्लाई का काम देखता था। भोपालवासियों को हैरान करने वाली बात यह है कि देश की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाने वाला भोपाल अब मादक द्रव्य पदार्थों के निर्माण का हब बन गया है। मप्र पुलिस को इस कार्रवाई की हवा तक नहीं लगी। हालांकि गुजरात के मंत्री हर्ष संघवी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कार्रवाई में एमपी पुलिस ने सराहनीय मदद की है। उन्होंने इसके लिए सीएम डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर उनका आभार जताया। गुजरात एटीएस के अनुसार यह फैक्ट्री अवैध रूप से चल रही थी और इसमें मादक पदार्थ मेफेड्रोन (एमडी) बनाने का काम हो रहा था। फैक्ट्री में तलाशी के दौरान कुल 907.09 किलोग्राम मेफेड्रोन मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 1814.18 करोड़ रुपए है। फैक्ट्री में मेफेड्रान बनाने में इस्तेमाल होने वाला करीब 5 हजार किलोग्राम कच्चा माल और उपकरण भी मिले। यहां रोजाना 30 किलो ड्रग्स तैयार किए जा रहे थे। मेफेड्रान एक सिंथेटिक ड्रग है तथा इसका इस्तेमाल रेव पार्टियों में खूब होता है। गिरफ्तार में से दो आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड है। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। सभी आरोपी विदेशों तक ड्रग की तस्करी करने में माहिर हैं। एटीएस की पूछताछ में आरोपियों ने यूके और दुबई तक ड्रग्स की खेप भेजने की योजना की बात स्वीकार की है। आरोपी लेन-देन के लिए क्रिप्टो करेंसी का भी इस्तेमाल करते थे।

इस मामले में आगे और भी चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं। इस बीच इस घटना पर राजनीति भी शुरू हो गई है। विपक्षी कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने सवाल किया कि राज्य में युवा पीढ़ी को नशे में धकेलने का षड्यंत्र किसके संरक्षण में हो रहा है? उन्होंने कहा कि यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजधानी में ड्रग्स की फैक्ट्री चल रही है और एमपी सरकार, पुलिस और इंटेलिजेंस विभाग सो रहा है। कांग्रेस ने तीसरे आरोपी के प्रदेश के वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा से करीबी सम्बंध होने का आरोप भी लगाया है। भोपाल की इस घटना से यह साबित कर दिया है कि अब मप्र भी नशे का हब बनता जा रहा है। न केवल नशीले पदार्थों की खपत में बल्कि मादक द्रव्यों के निर्माण में भी। खास बात यह है कि अब तक पंजाब और देश के सीमावर्ती राज्यों में ड्रग का धंधा फलने फूलने की बात सामने आती थी, लेकिन देश के मध्य में स्थित मप्र को भी ड्रग माफिया ने अपनी चपेट में ले लिया है। हम अभी तक नशे के लतियलों के इलाज की ही बात करते रहे है। पिछले दिनो सरकार ने कहा था कि राज्य में नशे से पीड़ित लोगों का उपचार अब 31 जिला अस्पतालों में होगा। नशे की लत को नियंत्रित करने मध्यप्रदेश के 31 जिला अस्पतालों में एडिक्शन ट्रीटमेंट फैसिलिटी सेंटर की स्थापना होगी आदि। लेकिन ताजा मामले के बाद राज्य में पुलिस, एनसीबी व अन्य सरकारी एजेंसियों को बहुत गंभीरता और सख्ती के साथ ड्रग निर्माण के कारोबार को रोकना होगा।

नजरिया

सुरेश पचौरी

लेखक भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं।

'स्वच्छता से सम्पन्नता' मंत्र को मजबूत करता 'स्वच्छ भारत संकल्प'

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 'स्वच्छ भारत' का सपना देखा था और इस सपने को पूरा करने का काम किसी और ने नहीं बल्कि प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। उनके इस आह्वान के पीछे अधिकांश देशवासियों ने खड़े हो कर एक सशक्त नेतृत्व के प्रति आस्था ही प्रकट की है। भारत स्वच्छ हो इस उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में गांधी जयंती 2 अक्टूबर को 'स्वच्छ भारत अभियान' को आरंभ किया। इस अभियान का उद्देश्य अगले पांच वर्ष में स्वच्छ भारत का लक्ष्य प्राप्त करना था। स्वच्छ भारत अभियान के लिए सफाई के लिए प्रतिवर्ष 100 घंटे के श्रमदान का लक्ष्य रखा जो बीते दस वर्षों में सफल अभियान बन गया।

दस वर्ष बाद 2 अक्टूबर 2024 को जब हमने पीछे पलट कर देखा तो पाया कि 'स्वच्छ भारत' संकल्प एक 'जन-आंदोलन' बन चुका है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना महत्वपूर्ण है, 'विकसित भारत की यात्रा में हमारा हर प्रयास 'स्वच्छता से संपन्नता' के मंत्र को मजबूत करेगा। स्वच्छ भारत मिशन की ये यात्रा करोड़ों भारतवासियों की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।'

आज हम कह सकते हैं कि अपने तरह की कई विशिष्ट पहल के बीच 'स्वच्छ भारत अभियान' मोदी सरकार द्वारा चलाया गया सबसे अहम् स्वच्छता अभियान है। बीते 10 साल में भारतीयों ने इस मिशन को अपनाया, अपना लक्ष्य बनाया तथा सफाई की प्रवृत्ति को अपने जीवन का हिस्सा बनाया है। यह तथ्य उत्साह से भरता है कि भारतीय जनता पार्टी ने पीएम मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) से गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक 'सेवा पखवाड़ा' आयोजित किया। इस अवधि में नगर, गांव, गली, मोहल्लों, मजरों, चौपालों समेत सार्वजनिक स्थानों पर सेवा कार्य किए गए। 'सेवा पखवाड़ा' के 15 दिनों में देशभर में लगभग 27 लाख से ज्यादा कार्यक्रम हुए जिनमें लगभग 28 करोड़ से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया।

स्वच्छ भारत मिशन के असर को आंकड़ों के आईने में देख लेना चाहिए। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के संयुक्त अध्ययन ने बताया है कि स्वच्छ भारत मिशन से हर वर्ष 60 से 70 हजार बच्चों का जीवन बच रहा है। स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग से शौचालय बनाए जाने से उनके पढ़ाई छोड़ देने की दर में भी गिरावट आई है। बच्चों के लिए कार्य कर रहे अंतराष्ट्रीय संगठन यूनिसेफ की एक और स्टडी के मुताबिक स्वच्छता के कारण गांव के परिवार के हर साल इलाज पर होने वाले खर्च में से औसतन 50 हजार रुपए बच रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प को जन आंदोलन बनाने में मध्य प्रदेश की भी अपनी महती भूमिका है।

जनता और सरकार के सकारात्मक प्रयासों का परिणाम है कि व्यक्तिगत शौचालय, सार्वजनिक शौचालय सुविधा, अपशिष्ट प्रबंधन आदि आयामों में स्वच्छता आंदोलन को नई गति मिली है। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) में मध्यप्रदेश ने वर्ष 2023 में श्रेष्ठ राज्य के रूप में देशभर में दूसरे स्थान की रैंकिंग प्राप्त की है। इस वर्ष राज्य के 6 शहरों ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किये हैं। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर पिछले 7 वर्षों से पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ शहर के रूप में पहला पुरस्कार प्राप्त कर रहा है। शहर को स्वच्छ रखने में नागरिकों का बोध प्रशासनिक दायित्व से आगे है। कार्बन क्रेडिट से राशि अर्जित करने वाला इंदौर देश का पहला शहर है।

प्रधानमंत्री के इस स्वप्न को पूरा करने में मध्य प्रदेश भाजपा और इसके देवतुल्य कार्यकर्ताओं का अतुलनीय योगदान रहा है। प्रदेश भाजपा ने भी अपने यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिन का उल्लास से बड़े स्तर पर मनाने के लिए उनके जन्मदिन 17 सितंबर से 'सेवा पखवाड़े' की शुरुआत की। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन जी यादव तथा संगठन महामंत्री हितानंद के नेतृत्व में सेवा पखवाड़े के तहत पीएम मोदी के जन्मदिन पर प्रदेश में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। स्कूलों और अस्पतालों में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। पीएम मोदी जी के व्यक्तित्व और उपलब्धियों पर 15 दिनों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक पौधरोपण अभियान चलाया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इन सभी अभियानों में बढ़-चढ़ कर भागीदारी की और अपने प्रेरक नेता प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी अगाध आस्था का प्रदर्शन किया।

एक तरफ सेवा पखवाड़ा और दूसरी तरफ संगठन पर्व, भाजपा ने सेवा से संगठन निर्माण का अद्भुत कौशल विकसित किया है। मध्यप्रदेश में भाजपा ने संगठन पर्व के पहले चरण में अपना लक्ष्य लगभग 70 प्रतिशत पूरा कर लिया है। अब तक मध्यप्रदेश में एक करोड़ 16 लाख से अधिक सदस्य बन चुके हैं। इतने कम समय में 1 करोड से अधिक सदस्य बनाना प्रदेश के कार्यकर्ताओं की कर्मठता और संगठन निष्ठा और जनता में भाजपा की स्वीकार्यता को दर्शाता है। संगठन पर्व का द्वितीय चरण 15 अक्टूबर तक आयोजित होगा और विश्वास है कि डेढ़ करोड़ सदस्य बनाने के लक्ष्य से आगे निकलकर इतिहास मप्र में बनेगा। इस अभियान में चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, सामाजिक संगठनों, व्यापरिक संगठनों के साथ बुद्धिजीवियों, वरिष्ठ एवं विशिष्ट व्यक्तियों एवं खिलाड़ियों सहित समाज में महत्वपूर्ण भूमिका रखने वाले लोगों को प्राथमिकता से भाजपा का सदस्य बनाया जाएगा।

यह पार्टी की लोकप्रियता का ही परिणाम है कि मात्र 24 दिनों मे ही 1 करोड़ 81 हजार 437 सदस्य बनाकर इतिहास रचा गया। लोकतंत्र के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। तथ्य है कि संगठन पर्व के दौरान 95 लाख ऑनलाइन फॉर्म भरे गए। अभी भी सदस्यता का अभियान जारी है और भाजपा के परिवार में सदस्यों के जुड़ने का सिलसिला चलता रहेगा।

'सेवा पखवाड़ा' और 'संगठन पर्व' में जनता की भागीदारी ने दिखला दिया है कि भाजपा की स्वीकार्यता कितनी गहरी है। पार्टी की इस स्वीकार्यता के नैपथ्य में यशस्वी व तेजस्वी प्रधानमंत्री मोदी के प्रति जन आस्था और जन समर्थन प्रमुख आधार है। देश में जब मोदी जी जैसा सशक्त, स्पष्ट और सुदृढ़ नेतृत्व मिला तो जनता ने उसके प्रति भरपूर समर्थन, निष्ठा और सहयोग दिखाया है। भाजपा का विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरना महज संयोग नहीं है। इसके पीछे पीएम मोदी जी का चमत्कारी नेतृत्व एवं भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा है। ऐसा नेतृत्व जिस पर पूरे देश की अधिकांश जनता ने भरोसा किया है। महात्मा गांधी के स्वच्छता संदेश और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत पर खड़ी भाजपा पार्टी को प्रधानमंत्री मोदी जी जैसा दूरदर्शी और अभूतपूर्व नेतृत्व मिला है। मोदी जी के सानिध्य में पूरी भाजपा और पूरा देश सक्षम, समर्थ और सुदृढ़ हो कर विश्व गुरु के सिंहासन पर आरूढ़ हो गया है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सबका साथ, सबका विश्वास' को ध्येय वाक्य मानकर भारत को विकास का विजन देने का संकल्प लिया है।

उपलब्धि

राजकुमार जैन

लेखक कृत्रिम मेधा एवं तकनीकी विशेषज्ञ हैं।

सेमीकंडक्टर और एआई बनाएंगे भारत को वैश्विक महाशक्ति

भारत वैश्विक महाशक्ति बनने की अपनी यात्रा पर लगातार आगे बढ़ रहा है, और इस परिवर्तन के पीछे एक महत्वपूर्ण प्रेरक शक्ति 'जय विज्ञान, जय अनुसंधान' का सूत्र वाक्य है। नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक डॉ. सी.वी. रमन का दृढ़ विश्वास था कि कोई भी राष्ट्र सिर्फ विज्ञान की प्रगति के माध्यम से ही वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व स्थापित कर सकता है। वर्तमान परिदृश्य में, भारत 'रमन प्रभाव' के अधीन प्रतीत होता है। प्रारंभिक आदर्श वाक्य 'जय जवान, जय किसान' के साथ साथ 'जय विज्ञान, जय अनुसंधान' को अपनाने के बाद, भारतीय वैज्ञानिक उपलब्धियाँ प्रयोगशालाओं की सीमाओं को पार कर चंद्रमा पर मिशन सहित अंतरिक्ष अन्वेषण की दिव्य ऊंचाइयों तक पहुंच गई हैं।

महाशक्ति बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सेमीकंडक्टर और एआइ के क्षेत्र में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का स्वदेशी विकास अनिवार्य है इस बात को भलीभाँति समझते हुए सरकार विज्ञान और अनुसंधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। तकनीकी अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ते निवेश के चलते भारत बुनियादी अनुसंधान के क्षेत्र में शीर्ष रैंकिंग वाले देशों में शामिल हुआ। वैश्विक अनुसंधान एवं विकास खर्च में भारत की हिस्सेदारी पहले से बढ़कर 3.90 प्रतिशत हो गई जिसके चलते विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी देशों में भारत सातवें स्थान पर पहुंचा। मौसम पूर्वानुमान एवं निगरानी के लिये प्रत्युष नामक शक्तिशाली सुपरकंप्यूटर बनाकर भारत इस क्षेत्र में जापान, ब्रिटेन और अमेरिका के बाद चौथा प्रमुख देश बना। नैनो तकनीक पर शोध के मामले में भारत दुनियाभर में तीसरे स्थान पर आया। वैश्विक नवाचार सूचकांक (ग्लोबल इनोवैशन इंडेक्स) में 2014 के 74वें स्थान से ऊपर उठकर 2023 में हम 40वें स्थान पर पहुंचे। देश में आए सकारात्मक माहौल के चलते ब्रेन ड्रेन से हम ब्रेन गेन की स्थिति में आ चुके है और विदेशों में काम करने वाले भारतीय वैज्ञानिक स्वदेश लौटने लगे हैं। तेजी से उभर रहे वैश्विक अनुसंधान एवं विकास हब के रूप में मल्टी-नेशनल कॉर्पोरेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट केंद्रों की संख्या 1200 से अधिक हो गई। 2018 में राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति बनाई गई जिसमें इस क्षेत्र के लिये 100 बिलियन डॉलर के निवेश का लक्ष्य निर्धारित किया। साइबर भौतिक प्रणाली (एनएम-आईसीपीएस) पर राष्ट्रीय मिशन के तहत उन्नत प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में 25 प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र (टीआईएच) स्थापित किए गए जो प्रौद्योगिकी विकास, मानव संसाधन विकास, उद्यमिता विकास और औद्योगिक सहयोग के तहत अपनी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। वर्ष 2022 के दौरान इस योजना के तहत कुल 192 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और लगभग 8,573 शोधकर्ताओं को वैज्ञानिकों को प्रशिक्षित किया गया है। वैज्ञानिक प्रगति को आगे बढ़ाने में सक्षम वैज्ञानिक नेतृत्व द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की महत्ता को पहचानते हुए नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (एनसीजीजी) और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) ने आपस में हाथ मिलाकर 'एनसीजीजी - आईएनएसए लीडरशिप प्रोग्राम इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (लीड्स)' शुरू किया है। इस संयुक्त पहल का उद्देश्य तेजी से विकसित हो रहे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्वदेशी परिदृश्य को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक उपकरणों और क्षमताओं को अर्जित करना है।

तकनीकी विकास के क्षेत्र में बने अनुकूल और सुविधाजनक माहौल के चलते अग्रणी इक्विटी निवेश फर्म नॉरवेस्ट वेंचर पार्टनर्स अमेरिका ने सेलेबल टेक्नोलॉजीज में 32 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश करने पर सहमति व्यक्त की, जो एआई, बिग डेटा और एंटरप्राइज़ क्लाउड में विशेषज्ञता रखती है। डिजिटल सेवाओं और समाधानों के प्रदाता कोफोर्ज द्वारा भारत में मेटावर्स और वेब3 प्रौद्योगिकियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) खोला गया। कंपनी द्वारा 1,000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित और कुशल बनाया जाएगा। सैमसंग ने घोषणा की कि वह भारत के 70 इंजीनियरिंग कॉलेजों में अपने उद्योग-अकादमिक कार्यक्रम प्रिज्म का विस्तार कर रहा है। यह कार्यक्रम छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और आइओटी के क्षेत्र में शिक्षित करने में मदद करेगा। देश में बने निवेश के माहौल को देखते हुए प्रौद्योगिकी इनक्यूबेटर 'टी-हब' ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र के स्टार्टअप्स में नवाचार और उद्यमिता को विकसित करने के लिए एआईसी टी-हब सेमीकंडक्टर प्रोग्राम लॉन्च किया जिसका उद्देश्य भारत में एक सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाना है।

तेजी से बदलती इस दुनिया में एआई वैश्विक प्रभुत्व हासिल करने का नया अस्त्र है। इसी मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए हाल ही में भारत सरकार ने राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एनआरएफ) विधेयक पेश किया, जो भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र बनाने के पथ पर ले जाता है। जैव-अर्थव्यवस्था, सामुद्रिक नीली-अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में नवाचार और उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित रखना एक शक्तिशाली देश की प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए। इन सारे क्षेत्रों में अपनी धाक जमाने के लिए एआइ यानि कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में विकास और अनुसंधान अनिवार्य है। इस राह पर आगे बढ़ने के लिए सरकार ने एक बहुद्देशीय और अति महत्वाकांक्षी परियोजना 'इंडिया एआई' मिशन के परिचालन के लिए 10,372 करोड़ रुपये की मंजूरी प्रदान की है। इस मिशन का उद्देश्य डेटा की गुणवत्ता को बढ़ाना और स्वदेशी एआई प्रणालियों के विकास और परीक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भारत में एक मजबूत एआई कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचा स्थापित करना है। इस क्षेत्र में महारत हासिल करने के लिए आवश्यक उच्च क्षमता वाले ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की खरीद सहित एआई बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को 551.75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। जिसका उद्देश्य 10,000 से अधिक जीपीयू की कंप्यूटिंग क्षमता स्थापित करना और प्रमुख भारतीय भाषाओं में कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने वाले डेटासेट पर प्रशिक्षित 100 बिलियन से अधिक मापदंडों की क्षमता वाले आधारभूत मॉडल विकसित करना है। प्रारंभिक प्रयासों में परियोजना को शुरू करने के लिए 300 से 500 जीपीयू की खरीदी हेतु निविदाए आमंत्रित की जा रही है। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में स्वदेशी एआई की उन्नति के लिए आवश्यक मल्टीमॉडल लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एमएलएमएम) और आधारभूत मॉडल के विकास के लिए इंडियाएआई इनोवेशन सेंटर खोलने के लिए करीब 2,000 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। नई तकनीक को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप्स और शोधकर्ताओं के महत्व को समझते हुए सरकार ने उच्च गुणवत्ता वाले गैर-व्यक्तिगत डेटासेट तक निर्बाध पहुंच प्रदान करने के लिए इंडियाएआई डेटासेट प्लेटफॉर्म के रूप में एक एकीकृत मंच उपलब्ध करवाने की पहल की है। विभिन्न सरकारी क्षेत्रों में आ रही समस्या विवरणों को लक्षित करते हुए एआई अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए 'इंडियाएआई अनुप्रयोग' उपक्रम बनाया जा रहा है। प्रशिक्षित मानव संसाधनों की आपूर्ति हेतु स्नातक, परास्नातक और पीएचडी कार्यक्रमों के माध्यम से एआई शिक्षा विस्तार के साथ डेटा और एआई लैब्स की स्थापना हेतु इंडियाएआई फ्यूचरस्किल्स विकास को इंडिया एआइ के विशिष्ट घटक के रूप में जोड़ा गया है। इन सभी घटकों और इनके तहत आने वाली नवीन परियोजनाओं को आवश्यक वित्तीय समर्थन देने के लिए इंडियाएआई स्टार्टअप के माध्यम से सुव्यवस्थित वित्तपोषण का प्रावधान भी रखा गया है। इस उद्देश्य पूर्ति के लिए प्राथमिक तौर पर 2,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। भारत वैश्विक महाशक्ति बनने की दिशा में एक परिवर्तनकारी यात्रा पर है, जो 'जय विज्ञान, जय अनुसंधान' के मंत्र से प्रेरित है। यह नारा वैज्ञानिक प्रगति को अपनाने और नवीन अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चूँकि भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में भारी निवेश कर रहा है, यह एक ऐसे भविष्य की नींव रख रहा है जहाँ ज्ञान और नवाचार आर्थिक विकास और सामाजिक विकास को संचालित करते हैं।

वैज्ञानिक जांच और अनुसंधान पहल पर जोर देने का उद्देश्य न केवल राष्ट्र के सामने आने वाली गंभीर चुनौतियों का समाधान करना है, बल्कि भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करना भी है। प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के बढ़ते समूह, सहायक सरकारी नीतियों और वैश्विक भागीदारों के साथ बढ़ते सहयोग के साथ, भारत अपने बौद्धिक संसाधनों का उपयोग करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है। विज्ञान और अनुसंधान पर इस रणनीतिक फोकस से स्वास्थ्य सेवा, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि सहित कई क्षेत्रों में प्रगति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे वैश्विक क्षेत्र में एक उभरती महाशक्ति के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत होगी।

गुमनाम न हो जाए संकटग्रस्त पादप फोग

पर्यावरण

सुनील कुमार महला

राजस्थान में प्रसिद्ध तथा वर्तमान में लुप्तप्राय वनस्पति 'फोग' के बारे में आजकल की युवा पीढ़ी शायद ही 'फोग' झाड़ी के बारे में जानती होगी। इस वनस्पति के बारे में राजस्थान में कहा जाता है कि -'फोगला को रायतो, काचरी को साग, बाजरी की रोटी, जाग्या म्हारा भाग।' मतलब यह है कि फोग वनस्पति का रायता, काचरी की सब्जी और बाजरा की रोटी भाग्यवान मतलब नसीब वाले व्यक्ति को ही मिलती है। आज बुजुर्ग ही राजस्थान के मेवा कहलाने वाले 'फोग' के विषय में जानते हैं, युवा पीढ़ी इस वनस्पति व इसके गुणों से अपरिचित है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि जाटों की एक प्रमुख गोत्र का नाम फोगाट है जो संभवतः नागवंशियों की संतान हैं जो फोग को अपना प्रतीक चिन्ह मानते थे। फोगाट जाट हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में पाए जाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि 'फोग' मरू क्षेत्र का या यूं कहें कि राजस्थान का मेवा कहलाता है, लेकिन आज झाड़ी या छोटे वृक्षनुमा 'फोग हमारे यहां' बहुत ही कम रह गये हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि फोग थार के रेगिस्तान में भारत और पाकिस्तान में मुख्य रूप से पाया जाता है। फोग थार रेगिस्तान के अतिरिक्त उत्तरी अमेरिका, पश्चिमी एशिया, उत्तरी अफ्रीका एवं दक्षिणी यूरोप आदि स्थानों पर भी पाया जाता है। फोग को स्थानीय लोग इसे 'फोगड़ा' कहते हैं और वनस्पति विज्ञान की भाषा में इसे केलिगोनम पॉलीगोनोइडिस के नाम से जाना जाता हैं। आज दूर-दराज के क्षेत्रों में यह पौधा देखने तक को नसीब नहीं होता या कम देखने को मिलता है। वैसे राजस्थान के बाड़मेर के बायतु क्षेत्र में, जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर, सीकर, चूरू, झुंझुनूं, सीकर आदि क्षेत्रों में फोग वनस्पति कहीं कहीं देखने को मिल जाती है। जैसलमेर के नाचना क्षेत्र में इसकी झाड़ियां विशेष रूप से पाई जाती हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि 60-70 के दशक में ये अच्छी संख्या में मौजूद थे। यह बहुत ही चिंताजनक है कि आज फोग आईयूसीएन की रेड डेटा बुक के संकटग्रस्त पादप की सूची में शामिल है।ईंधन एवं कोयले के लिए इसकी जड़ों के अत्यधिक दोहन के कारण आज थार रेगिस्तान में फोग की मात्रा लगातार घट चुकी है। फोग की लकड़ी की यह विशेषता होती है कि इसकी लकड़ी आग बहुत जल्दी पकड़ लेती है। यहां तक कि गीली होने की स्थिति में भी यह आग जल्दी पकड़ लेती है, फोग के कम होने का कारण इसका जल्दी आग पकड़ना भी है। इसीलिए फोग पर राजस्थान में कहावत भी बनी है। कहां गया है कि -'फोग आलो ई बळै, सासू सूदी ई लड़ै।' मतलब यह है कि जिस प्रकार फोग की लकड़ी गीली होने पर भी आग पकड़ लेती है, उसी प्रकार सास सीधी हो तब भी अधिकारपूर्वक बहू को फटकार लगा ही देती है। सिट्टा यह है कि मौका मिलने पर असली स्वभाव उजागर हो ही जाता है। यह बहुत ही चिंताजनक है कि थार में अब बहुत कम फोग झाड़ियां देखने को मिलतीं हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि राजस्थान में स्थानीय भाषा में फोग को फोगाली, फोक तथा तूरनी आदि नामों से जाना जाता है।

आज बढ़ते शहरीकरण, अकाल के कारण फोग वनस्पति लुप्तप्राय प्रजाति की श्रेणी में पहुंच गई है। आधुनिक खेती में ट्रैक्टरों का अधिक प्रयोग के कारण फोग समूल नष्ट हो रही है, क्यों कि इनके प्रयोग से यह जड़ समेत निकल जाती है और दुबारा नहीं पनप पाती है। लाठी और चांदन क्षेत्रों में नलकूपों की संख्या बढ़ जाने के कारण आज कृषि कार्यों में प्रगति हुई और किसानों द्वारा फोग की कटाई कर दी गई, जिससे फोग वनस्पति पर काफी प्रभाव पड़ा है।अंधाधुंध कटाई ने भी फोग के अस्तित्व पर बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। आज गांवों में खेतों और ढ़ाणियों में बसने वाले लोग अपनी आजीविका के लिए फोग की लकड़ी को काट रहे हैं। शहरों में ईंट भट्ठे फोग की लकड़ी विशेष रूप से इस्तेमाल करते हैं, क्यों कि यह आसानी से जलती है। फोग मनुष्य के साथ साथ पशुओं की जीवन श्रंखला का महत्वपूर्ण घटक है, इसलिए इसके संरक्षण की आवश्यकता आज अत्यन्त ही महत्ती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विलायती बबूल ने भी थार रेगिस्तान की जैव-विविधता को भी काफी हद तक प्रभावित किया है, इसका असर भी निश्चित तौर पर फोग पर पड़ा है। जानकारी मिलती है कि विलायती बबूल भारत में आने के बाद से अब तक देशी पेड़-पौधों की 500 से भी अधिक प्रजातियों को खत्म कर चुका है। आज फोग का संरक्षण करने की आवश्यकता है, अन्यथा यह किताबों में ही रह जाएगा। फोग को बचाने के लिए सर्वप्रथम थार रेगिस्तान के किसानों, काश्तकारों को खेती के गलत तरीकों से बचना होगा। उन्हें यह समझाना होगा कि खेती की जमीन तैयार करने के लिए फोग के पौधे को खत्म करना कितना गलत है। इतना ही नहीं फोग के ईंधन के रूप में अत्यधिक दोहन को कम करने की आवश्यकता है। इसके लिए ईंधन के नये विकल्पों गैस सिलेंडर, बिजली व सौर ऊर्जा को काम में लिया जाना चाहिए। फोग वनस्पति के संरक्षण के लिए सरकार के साथ साथ ही आम लोगों, विभिन्न पर्यावरण संरक्षण संस्थाओं को आगे आना होगा और युवा पीढ़ी को फोग के महत्व, इसकी उपयोगिता, जैव विविधता को बनाए रखने में इसकी भूमिका के बारे में भी जागरूक करना होगा तभी यह दुर्लभ वनस्पति संरक्षित हो पाएगी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

लेखक व्यंग्यकार हैं।

लव जिहाद और चुप्पी का खेल

दोनों की कहानी एक जैसी थी। बस फर्क इतना था कि सुनीता ने जहाँ मुस्लिम लड़के से प्यार में पड़कर खुद के कई टुकडे करवाए वहीं अनीता अपने ही धर्म के लड़के के प्यार में पड़कर सुनीता जैसा हाल करवाया। बस फर्क इतना था कि सुनीता की खबर को मीडिया ने जितनी हाइप उतनी अनीता को नहीं दी। इसी को लेकर सुनीता और अनीता ऊपर की दुनिया में, आपस में बातचीत कर रही थीं। सुनीता, जो एक मुसलमान लड़के के प्यार में पड़कर लव जिहाद का शिकार हुई थी, और अनीता, जो एक हिंदू लड़के के हाथों कई टुकड़ों में बंट चुकी थी, दोनों ने एक-दूसरे से अपनी कहानी साझा करने का फैसला किया।

सुनीताः (हंसते हुए) अरे अनीता, देखो तो हमारी ज़िंदगी का क्या हाल है! मैं तो यहाँ ऊपरी दुनिया में हूँ, लेकिन मेरी कहानी तो अभी भी ज़मीन पर गूंज रही है। टीवी पर, सोशल मीडिया पर, हर जगह लव जिहाद का हायप है। सब लोग मेरी बात कर रहे हैं।

अनीता (थोड़ी निराशा से) हाँ, तुम्हारी बात तो सही है। मुझे देखो, मुझे तो कोई जानता भी नहीं। मेरे टुकड़े हुए और सब खामोश। मानो मेरे टुकड़े होने के बाद खून-मांस का मंजर न होकर पवित्र फूलों का दृश्य बन गया हो। हिंदू लड़के के इर कार्य को किसी ने नोटिस भी नहीं किया।

सुनीताः (हंसते हुए) तुमने सही कहा। मीडिया तो हमेशा से एक तरफ़ा है। जब तुम्हारी तरह एक हिंदू लड़का ऐसा करता है, तो वो तो 'पवित्र प्रेम' हो जाता है। और जब मैं लव जिहाद का शिकार होती हूँ, तो जैसे पूरी दुनिया को मेरे पर जुल्म हुआ है!

अनीताः (हंसते हुए) सच में! ये लोग हमसे प्यार नहीं करते, बल्कि कहानियों को बढ़ाने का एक ज़रिया ढूंढते हैं। लव जिहाद की स्टोरी ने तो टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, लेकिन मैं? बस एक संख्या बन गई।

सुनीताः (ध्यान में) अरे अनीता, तुम सोच रही हो न कि क्या होगा अगर हम दोनों की कहानियाँ उलट-पुलट कर दी जाएँ? क्या होता अगर मैं एक हिंदू लड़के के साथ होती और तुम मुसलमान लड़के के साथ?

अनीताः (हंसते हुए) तो फिर तुम्हारे साथ नाटक होता, जबकि मेरे साथ 'पवित्र कार्य' का तमाशा होता! मैं तो टुकड़ों में बंटी होती, लेकिन कोई नहीं बोलता। क्योंकि मैं तो अपने धर्म में ही मर गई, है न?

ज़ेहराः (कनखियों से) और तुम जानती हो, अब तो यह भी तय हो गया है कि मीडिया और समाज को बस वही कथाएँ पसंद हैं, जो उन्हें गुदगुदाती हैं। अगर तुम्हारे टुकड़े होते हैं, तो वो तो बस चुप रहते हैं।

अनीताः (गंभीरता से) बिल्कुल। एक बार कोई लव जिहाद की बात करे तो सबके मुँह में पानी आ जाता है। जैसे 'क्या प्यार में कुछ नहीं होता?' ये सवाल तो उन्हें हिला देता है। लेकिन हम? हम तो बस एक खामोशी में खो गए हैं।

सुनीताः (सिर हिलाते हुए) और सोचो, हमारे परिवारों को भी इस बारे में कितना दर्द हुआ होगा। जब तुमने सुनने की कोशिश की, तो तुम्हारे मामले में कोई भी नहीं आया।

अनीताः (थोड़ी नाराज़गी से) और हमें बताया गया कि प्यार तो कभी गलत नहीं होता। हंसी मजाक के नाम पर हमारे साथ सख्त अनुशासन का खेल हो रहा है।

सुनीताः (मुस्कराते हुए) लेकिन देखो, हम यहाँ ऊपर हैं। हमें उन सभी पवित्र कार्यों की परवाह नहीं है। बस हमें यह समझना है कि प्यार में नफरत नहीं होनी चाहिए।

अनीताः (सहमति में सिर हिलाते हुए) सही कहा तुमने। अगर प्यार के नाम पर हमें तोड़ा गया, तो उसे प्यार नहीं, बलात्कार कहना चाहिए।

सुनीताः (थोड़ी गंभीरता से) और हम यहाँ पर हैं, यह साबित करने के लिए कि प्यार को कभी भी हथियार नहीं बनाना चाहिए। न तो मीडिया के लिए और न ही समाज के लिए।

अनीताः (हंसते हुए) और जब हम ऊपर हैं, तो हमारे लिए कोई कहानी नहीं है। बस एक हसीन ज़िंदगी है। तो क्यों न हम यह बात पूरी दुनिया को बताएं?

सुनीताः (उत्साह से) बिल्कुल! हमें बताना चाहिए कि समाज को प्यार का मतलब समझना चाहिए। हमें टुकड़ों में काटने के बजाय एकजुट होकर प्यार करना चाहिए।

अनीताः (हंसते हुए) अगर हम जिंदा होतीं तो हमारी आवाज़ उठाने के लिए कोई न कोई चैनल तो ढूंढता। लेकिन यहाँ तो हम बस हंसते हैं। चलो, हम यहाँ प्यार की एक नई परिभाषा लिखते हैं।

पुस्तक चर्चा

सुसंस्कृति परिहार

समीक्षक

परसाई को जिंदा बनाये रखने की रचनात्मक पहल

परसाई जी कमरे में बंद होकर लेखन करते रहने वाले रचनाकार न थे, वे एक एक्टिविस्ट राइटर रहे हैं। वे मजदूरों, मीनतकशों और शिक्षकों के साथ उनके आंदोलनों में खड़े होते रहे हैं। वे ऐसे लेखक भी न थे, जो अपने समकालीनों पर लिखते समय केवल समकालीन लेखकों पर लिखें, उन्होंने अपनी समकालीनता में रिक्शा चलाने वालों, पान की दूकान वालों, बीड़ी बनाने वालों, होटलों में काम करने वालों को अपना समकालीन मान कर उन पर लिखा है। वे ऐसे लेखक रहे हैं जो कठिन आर्थिक परिस्थितियों में भी नौकरियों को तिलांजलि देकर अपने लेखन को उनसे कहीं ज्यादा जरुरी समझते थे। वे हर नए लिखने वाले को धीरज और गंभीरता से पढ़ने वाले इकलौते लेखक थे। आम तौर पर स्थापित लेखक, अपने समय के या अतीत के बड़े लेखकों को ही पढ़ता है। वे शायद इसलिए युवा-लेखन को पढ़ा करते थे, ताकि उन्हें सार्थक लेखन की ओर मोड़ा जा सके। उन्हें दृष्टि प्राप्त हो। वे प्रगतिकामी धारा से जुड़ कर लेखन करें।

काल के कपाल पर हस्ताक्षर' शीर्षक से प्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की उपन्यास शैली में लिखी गयी जीवनी है। इसे जाने-माने लेखक राजेन्द्र चंद्रकांत राय ने बड़े मनोयोग से लिखा है। यह किताब इसलिए बेहद महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि उसमें सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई के जीवन का रेखांकन बहुत ही सरल और प्रवाही शैली में किया गया है। यह छोटी या मझोली किताब नहीं है, बल्कि पूरे 668 पेजों में फैला हुआ एक ऐतिहासिक दस्तावेज ही है। इसे पढ़ना बहुत रोमांचित करता है। किताब अपने साथ बांधे रखती है। इसके कुछ दुखद कथाओं वाले पृष्ठ और परसाई की उन्मुक्तता हमें अनोखा संबल देती है।

परसाई जी की जन्म शती वाले वर्ष में इस किताब का आना भी अपने आप में एक घटना से कम नहीं है। इस पुस्तक की जिस प्यार और मोहब्बत से मांग हो रही है, उसकी वजह है हरिशंकर परसाई जी का निर्भीकता के साथ आम लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने की सतत निष्ठा। लेखक ने परसाई जी के जीवन के हर पहलू पर अबाध गति और सहज सरल भाषा में भावपूर्ण लेखन किया है। किताब हमें बताती है कि परसाई, परसाई कैसे बने।

परसाई जी कमरे में बंद होकर लेखन करते रहने वाले रचनाकार न थे, वे एक एक्टिविस्ट राइटर रहे हैं। वे मजदूरों, मीनतकशों और शिक्षकों के साथ उनके आंदोलनों में खड़े होते रहे हैं। वे ऐसे लेखक भी न थे, जो अपने समकालीनों पर लिखते समय केवल समकालीन लेखकों पर लिखें, उन्होंने अपनी समकालीनता में रिक्शा चलाने वालों, पान की दूकान वालों, बीड़ी बनाने वालों, होटलों में काम करने वालों को अपना समकालीन मान कर उन पर लिखा है। वे ऐसे लेखक रहे हैं जो कठिन आर्थिक परिस्थितियों में भी नौकरियों को तिलांजलि देकर अपने लेखन को उनसे कहीं ज्यादा जरुरी समझते थे। वे हर नए लिखने वाले को धीरज और गंभीरता से पढ़ने वाले इकलौते लेखक थे। आम तौर पर स्थापित लेखक, अपने समय के या अतीत के बड़े लेखकों को ही पढ़ता है। वे शायद इसलिए युवां-लेखन को पढ़ा करते थे, ताकि उन्हें सार्थक लेखन की ओर मोड़ा जा सके। उन्हें दृष्टि प्राप्त हो। वे प्रगतिकामी धारा से जुड़ कर लेखन करें।

उन्होंने जिस तरह अखबारों में हर रोज लिखा और पाठकों के पत्रों के निरंतर जवाब देते रहे, वह भी अनूठा और अद्भुत कार्य ही माना जाना चाहिये। इन्हीं कारणों से आम पाठक और आमजन बड़ी तादाद में उनसे जुड़ा। आज भी उनकी रचनाओं में उल्लिखित सूत्र वाक्य खोज खोज कर पढ़ें और उपयोग किए जाते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि वे आज भी प्रासंगिक बने हुए हैं। उनकी रचनाएं काल की सीमा में नहीं बंधी रहीं, वे उसे लांघ कर सर्वकालिक हो गयी हैं। उनकी अंतर्दृष्टि के लोग आज भी कायल हैं।

ये कुछ बातें हैं जिन्होंने परसाई जन्म शताब्दी में उनके पुनर्पाठ को प्रारंभ किया। ठीक इसी समय परसाई से अपने छात्र जीवन से जुड़े कथाकार राजेन्द्र चन्द्रकांत राय ने अपने तकरीबन 50 साल के सानिध्य और उनके बचपन की सच्चाइयों को सामने लाकर उन्हें नयी पीढ़ी से जोड़ने का गुरुतर काम किया है।

यह कार्य आसान नहीं था क्योंकि उनका पूरा बचपन जिस तरह परिवार की विपदाओं और विडंबनाओं में लगातार भटकता रहा, उस सबकी तहकीकात करना, खोज खोज कर उनसे संबंधित लोगों से मिलना, उनसे परसाई जी के जीवन-प्रसंगों को जानना, जान कर उनका सूक्ष्म और मनोवैज्ञानिक विश्लेषण करना, और उनसे संबंधित प्रमाण पत्रों को संजोना कोई धैर्यवान और जीवट वाला व्यक्ति ही कर सकता था। पर राजेंद्र चन्द्रकान्त ने उसे किया। अनेक ऐसे अवसर भी आए, जब वे परेशान भी हुए पर जिस निष्ठा और साहस से उन्होंने तमाम जानकारियां जुटाईं वह अत्यंत दुष्कर कार्य ही था।

पुस्तक पढ़ते हुए ऐसा लगता है कि जैसे परसाई हमारे साथ ही हैं और हम जीवनी लेखक राजेन्द्र चंद्रकांत राय के साथ सीधे उनसे साक्षात् करते हुए, उनके और भी करीबतर होते जाते हैं। कभी-कभी ऐसा भी लगता है कि यदि राय साहिब इस पुस्तक को ना लिखते तो हम सब एक जुझारू, संघर्षशील और महान लेखक के उन समस्त अनछुए पहलुओं से अनभिज्ञ ही रहे आते, जिनका परसाई को महान लेखक बनाने में हाथ रहा है।

इस जीवनीपरक उपन्यास का लेखन न केवल कलात्मक है, बल्कि मनुष्य जीवन और आचरण के सूक्ष्तम चित्रण से भी भरपूर है, एक प्रसंग देखिये- 'लड़कों ने आज्ञा का पालन किया। लिखने में जुटे। गुरुजी ने मेज वाले फलों में से एक फल उठाया। दाहिने हाथ की चार अंगुलियों से उसे आहिस्ता से तोड़ा। एक चौकोर टुकड़ा हाथ में आया। उसके अंदर गूदेदार बीजों की श्वेत कतारें प्रकट हुईं। कतारों को देख कर गुरुजी का चेहरा अलौकिक प्रसन्नता से भर गया। उन्होंने उस टुकड़े

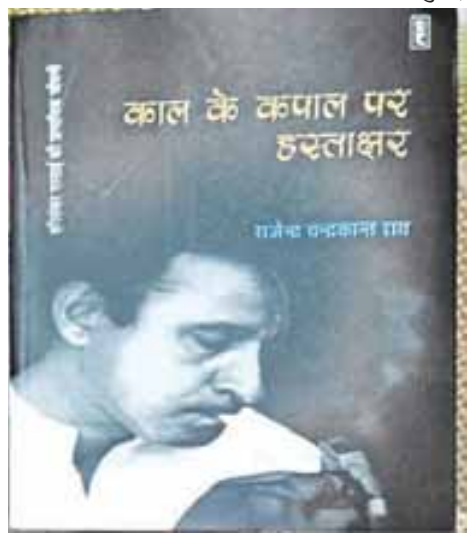

को मुंह में रखा। दातों ने अपना योगदान किया। गूदे का एक हिस्सा जीभ पर आया। उसे खाने के लिये उन्होंने अपना मुंह धीमी गति से चलाया। जीभ ने स्वाद लिया। दातों की मदद से बीजों को निकाला। गूदा उदरस्थ हुआ और काले बीजों को गुरुजी ने अपने हाथ की हथेली पर उगला और उन्हें हाजिरी रजिस्टर पर रख दिया।'

विद्यार्थी परसाई का चित्रण करते हुए लेखक बताते हैं, 'हरि ही उनके लीडर। मार्गदर्शक। त्राणदायक। गुरु। उनकी समस्याओं और सवालों को हल करने वाले बंधु। सब कुछ वही थे। हरि ने अपने दोस्तों में अपना 'सब कुछ' जी भर कर बांटा। बांटने के स्वभाव से ही अपने लिये भी जीवन के अमोल-तत्वों को हासिल भी किया। मिलनसारिता। नेतृत्व। साहस। सहयोग। समता। सहभागिता। सहायता। जूझने का जज़्बा। लड़ने की हिम्मत। असंभव को संभव में बदल डालने का हौसला। हरि की किशोर वय में, एक ऐसी नींव पड़ रही थी, जिस पर एक बुलंद इमारत की मंजिलों का निर्माण शुरु होना था।'

जब परसाई जी का परिवार प्लेग के भयावह पंजों में फंसा हुआ था, उसका विवरण इस तरह किया गया है, 'पर उस भूतपूर्व गांव के बीच में एक ऐसा मकान बचा रह गया था, जिसमें अंधकार से लड़ने वाली एक कंदील तब भी जला करती थी। उसकी टिमटिमाती रोशनी, दरवाज़ों की दरारों से निकल कर बाहर के अंधेरे से लड़ने पहुंच जाया करती थी। तब धुधलाये पीलेपन को अपने डौल में समेटे हुए वह मकान यों लगता था, जैसे काले सागर में एक अकेली नाव हो। अपने बेड़े से छिटकी हुई। तन्हा। जीवन की ध्वनियां भी उन दरारों से झांकती थीं। कुछ दबी-दबी सी बातचीतें। कुछ ठिठकी हुई सी पदचापें। जैसे उस घर में रहने वालों को डर के अजगर ने सबको अपने लपेटे में कस लिया हो।'

इस उपन्यास में ऐसे बहुत से स्थल हैं, जहां लेखक ने काव्य ही रच डाला हे, 'किताबें न मिलीं तो दूसरी चीजों को पढ़ने की कोशिश की। रेल्वे स्टेशन को पढ़ना शुरु किया। पेड़ों और पहाड़ों को पढ़ना सीखा। बादलों और आसमान में इबारतें खोजीं। चिड़ियों और कौवों से किस्से सुने। चांद-तारों से बतकही की। उन्हें पढ़ने के लिये, अपनी भाषा ईजाद की। नयी-नयी वर्णमालाएं बनायीं।

रेल्वे स्टेशन को बिन मां का बच्चा पढ़ा। सूना। खाली। हठ-हीन। रोने-मचलने के लिये तरसता हुआ, अपने-आप में सिमटा हुआ।

पेड़ों को स्कूल पढ़ा। पत्तों को विद्यार्थी। तोतों और मैनाओं को अध्यापक पढ़ा। गिद्ध को हेडमास्टर। फूलों को दीवाली की छुट्टी पढ़ा। फलों को प्रगति-पत्र।

पहाड़ों को मुसीबत पढ़ा। नदी को जुगत। मछलियों को उपलब्धि पढ़ा। रेत को असफलता। सीपियों को प्रयास पढ़ा। शंख को दोस्त।

बादलों को संगीत पढ़ा। बारिश को चैन। हवाओं को नृत्य बांचा। बिजली को उम्मीद। अमावस को मृत्यु पढ़ा। पूनो को आनंद। चांद को चाचा बांचा। तारों को परिवार। चांदनी को बुआ पढ़ा। जुगनु को भाई।

सूरज को पिता बांचा। आसमान को लक्ष्य। धूप को मशक्कत पढ़ा। पसीने को कमाई। उजाले को गुरु पढ़ा। छाया को घर।

डोरीलाल को मनुष्य पढ़ा। हनुमान सिंह को ठठ्ठा। स्टेशन मास्टर को घुग्घु बांचा। डिपो साहब को लट्ठा। कांटा पढ़ा दोपहरी को। लू को पढ़ा चांटा।'

मुझे लगता है यह उपन्यास नहीं, एक महाकाव्य ही है। जीवन का महाकाव्य। बड़ी बात यह है कि यह मुश्किल भरा काम उस दौर में किया गया जब केंद्र और प्रदेश में परसाई के विचारों की विरोधी सरकार हैं। याद करिए संघ चालित इस सरकार के शाखाओं में पले बढ़े लोगों ने जब उन पर हमला किया था, तब उन्होंने यह लिखकर कि 'लिखना सार्थक हो गया' अपनी लेखकीय प्रतिबद्धता से उन सबको हैरत में डाल दिया था। उसके बाद वे ठंडे दिखे पर अंदर अंदर सुलगते रहे। इसीलिए सत्ता पाते ही उनके लेख पाठ्यक्रमों से हटाये जा रहे हैं।

परसाई थमे नहीं सतत उनका व्यंग्य प्रवाह चलता रहा। वे सत्ता पर चोट करने वाले भी प्रथम लेखक थे। आजादी के दो माह बाद ही 'पैसे का खेल' लिखकर उन्होंने भारत सरकार के पूंजीवादी रुख को भांप लिया था। ऐसे जनहितैषी विचारक, लेखक अब नहीं। इसलिए ऐसे महान व्यक्तित्व का दिग्दर्शन 'काल के कपाल पर हस्ताक्षर' में पढ़ कर मैं अभिभूत हूं। यह पुस्तक लेखकों के लिए सीखने, जीवन जीने और लिखने की कला जानने के लिए अमूल्य निधि ही है।

अपराध

निर्मल रानी

लेखक स्तंभकार हैं।

महिला सुरक्षा : दर्पण झूठ न बोले

महिला सुरक्षा व संरक्षण के जितने दावे हमारे देश में किये जाते हैं उतने किसी देश में नहीं किये जाते। इसी तरह जितना धार्मिक होने का दिखावा हमारे देश में किया जाता है,धर्म व अध्यात्म की जितनी चर्चा हमारे देश में की जाती है शायद अन्यत्र कहीं नहीं होती। परन्तु इसके विपरीत पूरे देश में उतना ही अधिक अधर्म व्याप्त नज़र आता है। कोई क्षेत्र कोई संस्था कोई विभाग ऐसा नहीं जहाँ नारी का अपमान न होता हो,जहाँ झूठ और भ्रष्टाचार सिर चढ़कर न बोलता हो। जहाँ स्वार्थ और मुफ़्तख़ोरी का बोल बाला न हो। परन्तु इस वास्तविकता के बावजूद सुबह से शाम तक पूरे देश में बड़े बड़े पेशेवर प्रवचन कर्ताओं के 'सत्संग' आयोजित होते रहते हैं। देश के लाखों मंदिरों मस्जिदों व अन्य सभी धर्मस्थलों से भजन कीर्तन आरती अज़ान भजन शब्द प्रेयर आदि की आवाज़ें सुनाई देती हैं। विभिन्न धर्मों व समुदायों के धार्मिक जुलूस सड़कों पर उतर कर अपने धार्मिक होने का प्रदर्शन करते रहते हैं। कन्याओं की पूजा भी शायद हमारे देश के सिवा और कहीं नहीं की जाती। देवियों की परिकल्पना भी शायद सिर्फ़ हमारे ही देश में की गयी है।

परन्तु हक़ीक़त तो बिल्कुल इससे विपरीत है। नारी शोषण तथा नारी अत्याचार की जितनी घटनाएं बल्कि जितनी घिनौनी और वीभत्स घटनायें हमारे देश में होती हैं उतनी कहीं नहीं होतीं। और इससे भी शर्मनाक बात यह कि बलात्कारियों व हत्यारों को सत्ता का संरक्षण मिलते हुये भी देखा जा सकता है। पिछले दिनों तो ऐसी अनेक घटनाएं देश में घटीं जिन्हें सुनकर यह सोचने के लिये मजबूर होना पड़ा कि जब संभ्रांत व अभिजात वर्ग की महिलाओं का यह हाल है,वे तक सुरक्षित नहीं फिर आख़िर साधारण परिवार की या ग़रीब घरों की कन्याओं की सुरक्षा की बात कैसे सोची जा सकती है? कोलकाता में गत अगस्त माह में आरजी कर मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ उसी अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पहले बलात्कार किया गया उस के बाद उसकी हत्या कर दी गयी। चूँकि मामला बंगाल राज्य का था इसलिये इस मामले में विरोध प्रदर्शन का स्तर काफ़ी ऊँचा रहा। इतना ऊँचा कि लंबे समय तक राज्य के डॉक्टर्स हड़ताल पर रहे। ख़बरों के मुताबिक़ डॉक्टरों की इसी हड़ताल के दौरान राज्य भर में 23 मरीज़ों की जान भी चली गयी।

इसी प्रकार 15 सितंबर को एक सैन्य अधिकारी की मंगेतर के साथ ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित भरतपुर पुलिस स्टेशन में पहले बदसलूकी की उसका यौन-उत्पीड़न किया, फिर आर्मी ऑफ़िसर को लॉकअप में बंद कर दिया। हद तो यह है कि पीड़िता के अनुसार थाने में मौजूद पुलिस अधिकारी ने पहले उसके हाथ-पैर बांधे फिर उसके कपड़े उतारे उसके बाद एक पुरुष पुलिस अधिकारी ने उनके अंडरगारमेंट उतारे, फिर छाती पर लातें मारीं। उसके बाद जब थाने में इंस्पेक्टर-इन-चार्ज पहुंचा तो उसने पीड़ित की पैंट नीचे कर उसे अपना प्राइवेट पार्ट दिखाया और अश्लील बातें कीं। हालांकि इस मामले के हाई प्रोफ़ाइल हो जाने के बाद 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड होने की ख़बर ज़रूर है परन्तु इस सवाल से कैसे मुंह मोड़ा जा सकता है कि एक शिक्षित

महिला अपने सैन्य अधिकारी मंगेतर के साथ जब सुरक्षित नहीं फिर आख़िर साधारण महिलाओं की इज़्ज़त आबरू की कौन सी गारंटी? ख़बर यह भी है कि इस घटना के बाद सेना में भी रोष पैदा हो गया था।

याद कीजिये गत वर्ष 30 अगस्त को एक बावर्दी महिला कांस्टेबल खून से लथपथ हालत में अयोध्या स्टेशन के क़रीब सरयू एक्सप्रेस में बर्थ के नीचे छुपी मिली थी। यानी चलती ट्रेन में दुस्साहसी अपराधियों ने उसकी वर्दी की परवाह किये बिना उसपर हमला बोल दिया था। बाद में पुलिस द्वारा दावा किया गया कि घटना के 20 दिन बाद ही आरोपी को यूपी पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। इसी तरह विभिन्न सरकारी कार्यालयों से ख़बरें आती हैं कि कार्यालय के वरिष्ठ या दबंग क़िस्म के लोग अपनी अधीनस्थ महिला कर्मियों को अपनी हवस का शिकार बनाते हैं। उत्तर प्रदेश के पी डब्ल्यू डी विभाग का ऐसा ही एक मामला तो इस वक़्त काफ़ी चर्चित हो गया है जिसमें सह कर्मचारियों द्वारा एक महिला को डरा धमकाकर कई बार बलात्कार किया गया। वह गर्भवती हो गयी और कोविड के दौरान उसकी मौत भी हो गयी।

धर्मस्थान व धर्मगुरु तो नारी शोषण बलात्कार को लेकर तो कुछ ज़्यादा ही चर्चा में रहते हैं। कहीं मंदिर में बलात्कार की ख़बरें आती हैं। कहीं कोई पुजारी पकड़ा जाता है। हद तो यह है कि पिछले दिनों अयोध्या के नवनिर्मित राम जन्म भूमि मंदिर में वहां की एक सफ़ाई कर्मी महिला के साथ वहां कार्यरत लोगों द्वारा बलात्कार किये जाने की ख़बर आ गयी। उससे अधिक पवित्र,सुरक्षित व सम्मानित स्थान और किसे कहा जाये? कुछ समय पूर्व ग़ाज़ियाबाद ज़िले में पड़ने वाली गंग नहर के किनारे स्थित एक मंदिर में वहां के महंत द्वारा महिलाओं के कपड़े बदलने वाले हिस्से में एक गुप्त कैमरा लगाया गया था। इस कैमरे को महंत अपने मोबाईल फ़ोन में देखता रहता था। और कई नग्न महिलाओं की क्लिप को बार बार देखा करता था। पता चलने पर उसकी शिकायत हुई वह गिरफ़्तार हुआ तथा तमाम आपत्तिजनक वीडिओ क्लिप उसके मोबाइल से बरामद की गयी।

इसी तरह मध्य प्रदेश के इंदौर में तेजाजी नगर के एक मंदिर में एक पुजारी के घिनौने कृत्य का पर्दाफ़ाश हुआ। यहाँ एक 35 वर्षीय पुजारी ने एक 21 साल की युवती के साथ मंदिर में बने कमरे में ही दुष्कर्म कर डाला। इतना ही नहीं बल्कि पुजारी ने दुष्कर्म करने के बाद न केवल युवती को धमकाया बल्कि वह युवती के पिता पर इस बात के लिये दबाव भी बनाया करता था कि वह अपनी बेटी को रोज़ मंदिर भेजा करे। देश के किसी न किसी कोने से आए दिन ऐसी कई घटनाएं रोज़ होती रहती हैं। यहाँ तक कि मासूम किशोरियों को भी भेड़िये मानसिकता के लोग नहीं बख़्शते। दरअसल जहाँ लोगों की विकृत मानसिकता इन घटनाओं के लिये ज़िम्मेदार है वहीं बलात्कारियों को मिलने वाला सत्ता का प्रश्रय व सहयोग भी इसके लिये कम ज़िम्मेदार नहीं। कहीं आजीवन कारावास काट रहे किसी हत्यारे बलात्कारी को अपने राजनैतिक लाभ के लिये चार साल में रिकार्ड 15 बार पेरोल दे दी जाती है तो कहीं सामूहिक बलात्कारियों व हत्यारों को सत्ता द्वारा चरित्र प्रमाण पत्र देकर जेल से रिहा करवा दिया जाता है। महिला सुरक्षा को लेकर सरकार जो चाहे दावे करे या अपनी पीठ थपथपाये परन्तु सच तो यही है कि दर्पण कभी भी झूठ नहीं बोलता।

भारतीय वायुसेना के स्थापना दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं!

बेहद शक्तिशाली हो चुकी है भारतीय वायुसेना

आसमान में वायुवीरों के प्रदर्शनों को देखकर हर कोई रोमांच से भर उठा। एयर शो का सबसे प्रमुख आकर्षण रहा ऐतिहासिक विरासत के रूप में दिखाया गया प्रथम विश्वयुद्ध में इस्तेमाल हुआ हार्वर्ड टी-6जी टैक्सन एयरक्राफ्ट, जिसे भारतीय वायुसेना ने वर्ष 1974 तक ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया था। राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे फाइटर जेट्स, सारंग, लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (प्रचंड), एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (ध्रुव) जैसे हेलीकॉप्टर तथा सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक, जगुआर इत्यादि अन्य एयरक्राफ्ट भारतीय वायुसेना की अभेद्य ताकत बन चुके हैं।

भारतीय वायुसेना 8 अक्टूबर को अपना 92वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष इस विशेष अवसर पर वायुसेना अपने शौर्य और शक्ति का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस बार अपने 92वें स्थापना दिवस से पहले भारतीय वायुसेना ने 6 अक्टूबर को चेन्नई के मरीना बीच पर भव्य एयर शो का आयोजन किया, जिसमें राफेल, मिग-29, तेजस, सुखोई-30 एमकेआई जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स सहित वायुसेना के कुल 72 विमानों ने अपनी ताकत और कुशलता का प्रदर्शन किया और जांबाज वायुवीरों ने भी अपने अदम्य साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया। आसमान में वायुवीरों के प्रदर्शनों को देखकर हर कोई रोमांच से भर उठा। एयर शो का सबसे प्रमुख आकर्षण रहा ऐतिहासिक विरासत के रूप में दिखाया गया प्रथम विश्वयुद्ध में इस्तेमाल हुआ हार्वर्ड टी-6जी टैक्सन एयरक्राफ्ट, जिसे भारतीय वायुसेना ने वर्ष 1974 तक ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया था। राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे फाइटर जेट्स, सारंग, लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (प्रचंड), एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (ध्रुव) जैसे हेलीकॉप्टर तथा सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक, जगुआर इत्यादि अन्य एयरक्राफ्ट भारतीय वायुसेना की अभेद्य ताकत बन चुके हैं। भारतीय वायुसेना दिवस के अवसर पर हर साल एयर शो आयोजित करने का प्रमुख उद्देश्य न केवल पूरी दुनिया को भारत की वायुशक्ति से रूबरू कराना है बल्कि युवाओं को वायुसेना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना भी है।

भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं। भारत के मुकाबले चीन के पास

भले ही दो गुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन सहित कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थर्राते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और कैसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं। एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थर्राते हैं।

भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्टूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स'। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे। 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् वायुसेना को अलग पहचान मिली और 1950 में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर 'इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था। बहरहाल, भारतीय वायुसेना ने समय के साथ बहुत तेजी से बदलाव किए हैं और काफी हद तक कमियों को दूर भी किया गया है।

हत्या या आत्महत्या, पुलिस कर रही जांच, बेडरूम में पड़ी मिली लाश

भाजपा नेता की गोली लगने से मौत

बैतूल। सारणी क्षेत्र के एक भाजपा नेता की गोली लगने से मौत हो गई। भाजपा नेता का शव उन्हीं के घर के बेडरूम में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। फिलहाल भाजपा नेता ने खुद को गोली मारी या उनकी हत्या हुई है, इस बारे में पुलिस कुछ नहीं कह रही है। पुलिस ने मामले की सूक्ष्मता से जांच शुरू कर दी है। क्राइम सीन पर एफएसएल और बीएमओ को जांच के लिए बुलाया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सारणी क्षेत्र के

बगड़ोना इलाके में रहने वाले भाजपा नेता रविंद्र देशमुख का शव आज सुबह उनके ही घर के बेडरूम में मिला है, उनके सिर पर गोली लगने से तमंचा और कान से खून निकल रहा था। बताया जाता है कि भाजपा नेता रविंद्र देशमुख की पत्नी और अन्य परिवार के लोग मंदिर पूजा करने गए थे और उनका बेटा स्कूल चला गया था। लेकिन टिफिन भूल जाने से बेटा दोबारा घर वापस आया तो उसके पिता बेडरूम पर मृत पड़े थे। उनके सिर में गोली लगी हुई थी और खून निकल रहा था। पास एक पिस्टल भी पड़ी थी। बेटे ने इसकी सूचना घर में ऊपर माले पर रहने वाले बड़े पापा और पड़ोसियों को दी। उन्होंने तुरंत उनके परिजनों को बुलाया और पुलिस को जानकारी दी। बताया जाता है कि मृतक भाजपा नेता की आर्थिक स्थिति भी अच्छी थी। वह एक व्यवहारिक व्यक्ति थे, जिसकी वजह से यह समझ नहीं आ रहा है कि उन्होंने खुद आत्महत्या की या उनकी हत्या की गई है। फिलहाल पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए नर्मदापुरम से एफएसएल टीम बुलवाकर जांच करवा रही है।

भाजपा ने रविन्द्र देशमुख को दी श्रद्धांजली

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी के सारनी नगर मंडल उपाध्यक्ष एवं बगडोना के व्यवसायी रविन्द्र देशमुख के असामयिक निधन पर जिले के सभी भाजपा कार्यकर्ताओ ने दुख की इस घडी में ईश्वर से दिवंगत की शांति एवं देशमुख परिवार को यह दुखः सहन करने की कामना परमपिता परमेश्वर से करते हुए दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक संवेदना व्यक्त करने वालो में केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद दुर्गादास उइके, जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला, विधायक हेमंत खंडेलवाल, डा.योगेश पंडाग्रे, महेन्द्र सिंह चौहान, चंद्रशेखर देशमुख, गंगा उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पंवार, उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, जिला महामंत्री कमलेश सिंह, नपाध्यक्ष किशोर बरदे, मंडल अध्यक्ष नागेन्द्र निगम इत्यादि प्रमुख है।

महाराष्ट्र के कत्लखाने जा रहे थे गोवंश, संगठन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पकड़ा पिकअप वाहन

बैतूल। गोवंश तस्करी करते हुए पुलिस और राष्ट्रीय हिन्दू सेना के कार्यकर्ताओं ने वाहन पकड़ा है। रविवार रात करीब 2 बजे संगठन को सूचना मिली कि एक सफेद बोलेरो पिकअप वाहन (एमपी.30.जी.0970) में शाहपुर क्षेत्र के जंगल से गोवंश भरकर महाराष्ट्र के कत्लखाने ले जाया जा रहा है। सूचना मिलने पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय ने तुरंत बैतूल पुलिस कंट्रोल रूम को इसकी जानकारी दी। सूचना के आधार पर संगठन और पुलिस ने बडोरा फोरलेन के पास घेराबंदी की और आठनेर होते हुए महाराष्ट्र जा रहे पिकअप वाहन को गिट्टी से भरे डंपर की मदद से रोका गया। जैसे ही वाहन को रोका, तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर गाड़ी की चाबी लेकर भाग निकले। पिकअप के अंदर 11 नग गोवंश क्रूरतापूर्वक रस्सियों से बंधे हुए थे, जिनमें से 10 बड़ी गायें और 1 छोटा बछड़ा शामिल थे। इस दौरान, तीन गायों की दम घुटने से मौत हो चुकी थी। बची हुई गायों को बैतूल बाज़ार पुलिस के सहयोग से सुरक्षित पिकअप वाहन से उतारकर त्रिवेणी गोशाला पहुंचाया गया। मृत गायों को जेसीबी मशीन की मदद से बडोरा में दफनाया गया। इस कार्रवाई में पुलिस विभाग से एएसआई भरत नाथ, आरक्षक विशाल ठाकुर, और चालक अजय मुद्रेकर मौजूद थे। वहीं, संगठन के विभाग युवा अध्यक्ष मनीष मालवीय, ज़िला अध्यक्ष अनुज राठौर, जिला युवा सह संयोजक अमित यादव, नवीन पटेल और तहसील उपाध्यक्ष रामप्रसाद सावलकर भी शामिल थे।

शिक्षकों और उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं का हुआ सम्मान

समाज की बेहतरी हेतु काम करने वाला प्रत्याशा फाउंडेशन प्रशंसा का पात्र : राव उदयप्रताप सिंह

संजय द्विवेदी, बैतूल। प्रत्याशा फाउंडेशन एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिक्षा रत्न एवं सेवा शिखर सम्मान समारोह स्थानीय जेएच कॉलेज के ऑडिटोरियम में किया गया। जिसमें प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदयप्रताप सिंह मुख्य अतिथि एवं केंद्र सरकार के राज्यमंत्री दुर्गादास उइके की अध्यक्षता में एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे और घोड़ाडोंगरी विधायक गंगा उईके, पूर्व विधायक शिवप्रसाद राठौर तथा नपाध्यक्ष बैतूल पार्वती बारस्कर, नपाध्यक्ष बैतूलबाजार दुर्गावती वर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में तथा संयुक्त संचालक लोक शिक्षण विभाग नर्मदापुरम भावना दुबे, गाडरवारा के वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रकांत शर्मा एवं प्रत्याशा फाउंडेशन की मार्गदर्शक सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रीमती शकुंतला पचौरी व सेवानिवृत्त प्राचार्य महेश कुमार पचौरी की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आमंत्रित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती को दीप प्रज्वलन कर एवं कन्या पूजन के साथ किया। उल्लेखनीय है कि प्रतिष्ठित सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था प्रत्याशा फाउंडेशन द्वारा समय-समय पर जिले की प्रतिभावान शख्सियत का सम्मान किया जाता है, उसी कड़ी के रूप में शिक्षा रत्न सम्मान एवं सेवा शिखर सम्मान का आयोजन हुआ। मंचासीन अतिथियों का प्रत्याशा परिवार द्वारा स्वागत करने के बाद मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदयप्रताप सिंह द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अपना विशिष्ट योगदान देने वाले स्थानीय सांसद व वर्तमान में केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके एवं विधायक गंगाबाई उइके को शिक्षा रत्न सम्मान से सम्मानित करते हुए स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। गौरतलब है कि ये दोनों ही राजनीति में आने से पहले शिक्षक थे।

इसके बाद अतिथियों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लगभग 40 शिक्षकों एवं भूतपूर्व सैनिकों, स्वयंसेवी संस्थान, कोचिंग संस्थानों

को सम्मानित किया। प्रत्याशा फाउंडेशन की तूलिका पचौरी द्वारा प्रत्याशा संस्था के द्वारा किए गए कार्यों से अवगत कराते आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा रखी। कार्यक्रम को संबोधित करते राव उदयप्रताप सिंह ने कहा कि प्रत्याशा संस्था द्वारा नई पहल की है जो सराहनीय कार्य है। प्रत्याशा फाउंडेशन का यह सम्मान कार्यक्रम समाज में एक नई चेतना लाने का काम करेगा। संस्था के इस कार्यक्रम से मुझे जिले की अलग-अलग विधाओं में कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान करने का सौभाग्य मिला, जो गर्व की बात है। सांसद व केंद्रीय राज्यमंत्री डीडी उइके ने कहा कि शिक्षक अद्भुत शक्ति के धनी होते हैं, समाज का निर्माण शिक्षक की गोद में पलता है। एक शिक्षक की शिक्षा ही है जिसके द्वारा बच्चे सफल होकर आते हैं। उन्होंने प्रत्याशा फाउंडेशन के कार्यों की प्रशंसा की और हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया। बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि हर बार मंच पर हमारा सम्मान होता है। इस बार हमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षको, नागरिकों का सम्मान करने का अवसर मिला है। जिससे मुझे गर्व महसूस हो रहा है। कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी।

प्रत्याशा संस्था की ओर से संरक्षक संजय शुक्ला, सचिव आशीष पचौरी, निमिषा शुक्ला, संजय पचौरी, दिनेश शर्मा, कनिका शर्मा, संजय द्विवेदी, निमिषा द्विवेदी, बिपाशा मिश्रा, पंकज शुक्ला, रंजना शुक्ला, प्रशांत राजोरिया, प्रमिला धोत्रे, उत्कर्ष पचौरी, सरिता राठौर, कृष्णा अमृतेय, दीपा मालवी, शैलेंद्र बिहारिया, हेमा सिंह चौहान, मदनलाल डढोरे, प्रकाश बंजारे, दीपाली पांडे, संगीता खत्री, उमेश पांडे, ने विशेष सहयोग दिया। कार्यक्रम में जिले भर से आए सैकड़ों शिक्षकों एवं स्वयंसेवी संस्थाओ सहित भूतपूर्व सैनिकों की उपस्थिति रही।

शिक्षा मंत्री राव उदयप्रताप सिंह को पौधा भेंट कर शिक्षक ने किया स्वागत

बैतूल। हमारे आसपास में अधिक से अधिक पौधारोपण व पेड़ों को नहीं काटने के उद्देश्य को लेकर एक शिक्षक लगातार काम कर रहा है, वह आगामी समय में आने वाली पीढ़ी व आमजन को स्वास्थ्य के लिए विगत 20-25 वर्षों से लगातार पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के लिए कार्य कर रहे हैं। इसी अभियान के तहत रविवार को जिले के प्रवास पर आए

प्रदेश शासन के शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का शिक्षक मदनलाल डढोरे के द्वारा फूल माला से नहीं, बल्कि जनमानस में जागृति लाने के उद्देश्य को लेकर पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। गौरतलब है कि शिक्षक श्री डढोरे के द्वारा जन्मदिन, वर्षगांठ, महापुरुषों की जयंती, विवाह संस्कार, श्रद्धांजलि व धार्मिक आयोजन के अवसर पर विगत तीन दशकों से लगातार पौधा भेंट कर स्वागत किया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री डीडी उइके, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे सहित शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारी, शिक्षक साथी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण करें

कलेक्टर ने बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

बैतूल। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों व समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में गंभीरता एवं अति संवेदनशीलता के साथ काम करें और शिकायतों के निराकरण में तेजी लाए। किसी भी विभाग की 50 दिन से अधिक शिकायत लंबित नहीं रहना चाहिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने एक पौधा मां के नाम अभियान की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि जिले में जितने भी पौधे लगाए गए हैं उनकी फोटो वायुदूत एप पर अपलोड करें। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जल जीवन मिशन के तहत जिले में क्रियान्वित नल जल योजना की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को शीघ्र काम पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व, खनिज विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा की। सभी विभागीय अधिकारी अपने कार्यालय को स्वच्छ रखें तथा अपने अधीनस्थ कार्यालयों का समय-समय पर निरीक्षण करें। इस दौरान उन्होंने आयुष्मान कार्ड धारकों तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के सभी हितग्राहियों का समग्र पोर्टल पर आधार ई-केवायसी शत प्रतिशत किए जाने के निर्देश दिए।

जिसके नाम पर लाइसेंस, वह कर रहा था नीमच में नौकरी

फैक्ट्री में नाबालिग बना रहे थे पटाखे, पुलिस ने की कार्रवाई

बैतूल। जिला प्रशासन और बैतूल पुलिस ने साईखेडा थाना अंतर्गत ग्राम रेवड़ी स्थित दरवाई पटाखा फैक्ट्री में संयुक्त छापामार कार्यवाही की। यहां से लगभग 25 हजार रस्सी बम एवं 60 किलोग्राम खुला बारूद जिसकी कीमत लगभग 4 लाख रूपये है, को बरामद कर दरवाई फैक्ट्री के 5 गोदाम को सील बंद कर दिया है। आज पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकार वार्ता में मामले का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक निश्चत एन झारिया ने बताया कि इस मामले में आरोपी अनिल दरवाई तथा उसके भाई राजेश दरवाई निवासी विकास नगर बैतूल के विरूद्ध साईखेडा थाना में अपराध क्र 289/24, धारा 287, 288 बीएनएस 2023 5/9 बी विस्फोटक अधिनियम 1984, 14(1ए) बालक और कुमार श्रम प्रतिशेध और विनियम 1986 का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। आरोपी राजेश पिता सीताराम दरवाई निवासी विकास नगर, वन विद्यालय बैतूल को विधिवत गिरफ्तार किया गया। वहीं आरोपी के भाई लाइसेंसधारी अनिल दरवाई की गिरफ्तार के लिए टीम तैयार कर नीमच भेजी गई है। एसपी ने पत्रकारों को बताया कि बैतूल पुलिस द्वारा अवैधानिक गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। फैक्ट्री मालिक एवं आतिशबाजी, पटाखा व्यापारियों को चेतावनी दी कि शासन द्वारा बनाये गये नियमों का पालन करे, नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्यवाही की जावेगी।

भाई के नाम पर था लाइसेंस, छोटा भाई कर रहा था संचालन - पत्रकारवार्ता में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उक्त पटाखा फैक्ट्री का लाइसेंस अनिल दरवाई पिता सीताराम दरवाई निवासी विकास नगर, वन विद्यालय के सामने बैतूल के नाम पर है, जबकि मौके पर राजेश दरवाई पिता सीताराम दरवाई निवासी विकास नगर बैतूल मिला, जिससे उक्त कारोबार के संबंध में अनुमति मांगी गई, तो उसने बताया कि उक्त कारोबार करने का लाइसेंस उसके भाई के नाम पर है, जो विगत 6 माह से इथेनॉल फैक्ट्री नीमच में नौकरी कर रहा है। फैक्ट्री में निरीक्षण के दौरान पाया कि 5 गोदाम में से 3 गोदाम मे पटाखा निर्माण कार्य तथा 2 गोदामों में बारूद का भण्डारण एवं 1 गोदाम के पीछे खुले स्थान में रस्सी बम सुखाये जाने का कार्य किया जा रहा था।

कार्यवाही में इनकी रही सराहनीय भूमिका - बैतूलगंज थाना प्रभारी रविकांत डेहरिया को ग्राम रेवड़ा में पटाखा बारूद निर्माण की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीम बनाकर फटाखा फैक्ट्री पर दबिश दी गई। इस कार्रवाई में बैतूल एसडीएम राजीव कहार, एसडीओपी बैतूल सुश्री शालिनी परस्ते, निरीक्षक रविकांत डेहरिया, निरीक्षक मुकेश ठाकुर, उपनिरीक्षक दिलीप यादव, रणधीरसिंह राजपुत, उत्तम मस्तकार, पुनम साहु, सहायक उपनिरीक्षक किशोरीलाल सल्लाम, आरक्षक अनिरुद्ध यादव, प्रधान आरक्षक चन्द्रकिशोर, मयूर, विनय, बलवीर, नरेन्द्र धुर्वे, सुरजीत, दीपेन्द्र सिंह सायबर सेल की विशेष भूमिका रही।

पुलिस को फैक्ट्री में यह मिली अनियमितताएं

1- लाइसेंसधारी अनिल दरवाई द्वारा कारोबार का संचालन नही किया जाकर उसके स्थान पर उसके भाई राजेश दरवाई द्वारा पटाखा निर्माण कार्य किया जाना पाया गया।

2- पटाखा निर्माण कार्य रात्रि में संचालित किया जा रहा था। फटाखा निर्माण कार्य में एक नाबालिग बालक एवं एक नाबालिग बालिका कार्य करते पाई गये।

3 - लाइसेंस मात्रा 15 किलो से अधिक लगभग 25000 रस्सी बम का निर्माण किया जाना पाया गया तथा 60 किलोग्राम बारूद खुले में भण्डारण पाया गया।

4-फैक्ट्री संचालक द्वारा विस्फोटक पदार्थ एवं आतिशबाजी के रखरखाव संबधी एवं बेचने के संबंध में स्टाक रजिस्टर एवं अन्य दस्तावेज उपलब्ध नही कराये गये।

5-फैक्ट्री में हाथ से मिश्रण मिलाकर बारूद बनाने का कार्य किया जा रहा था। जिससे लोगो की जान-माल को खतरा हो सकता है।

नर से नारायण, इकाई से अनंत की यात्रा है : केन्द्रीय मंत्री

आरडी स्कूल में तीन हजार विद्यार्थियों ने गरबा की साधना से की शक्ति की आराधना

बैतूल। आरडी पब्लिक स्कूल में आयोजित दो दिवसीय भव्य अनंत गरबा डांडिया महोत्सव का समापन किया गया। दो दिवसीय गरबा डांडिया महोत्सव में आरडी पब्लिक स्कूल के तीन हजार छात्र-छात्राओं ने गरबा की साधना कर शक्ति स्वरूपा मां भगवती की आराधना की। महोत्सव के दूसरे दिन केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके एवं बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने मां भवानी की पूजा, अर्चना, आराधना कर गरबा डांडिया का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री उइके ने कहा कि भारत भूमि में जन्म होना हमारे लिए सौभाग्यशाली है, क्योंकि हमें विभिन्न तीज त्यौहारों की पावन विरासत मिली है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि नवरात्रि पर्व नर से नारायण और इकाई से अनंत की यात्रा है। इसीलिए भारत भूमि में शक्ति की आराधना के लिए 52 शक्तिपीठ स्थापित किए गए है। केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि आरडी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल के कुशल मार्गदर्शन में आरडी शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग और कैरियर गाइडेंस देकर उज्जवल भविष्य का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही छात्र-छात्राओं को धर्म, संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रीयता से जोडने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जो सराहनीय ही नहीं बल्कि अनुकरणीय भी है। उन्होंने कहा कि विद्यालय के हजारों छात्र-छात्राओं द्वारा गरबा की साधना से मां जगदम्बे की आराधना करना अत्यंत सुखद है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने आर.डी. स्कूल प्रबंधन, शिक्षक-शिक्षिकाओं विद्यार्थियों, अभिभावकों सहित स्टाफ को नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी।

अनुशासित महोत्सव की अभिभावकों ने की तारीफ ...

आरडी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल के मार्गदर्शन में नवरात्रि पर्व पर आयोजित दो दिवसीय अनंत गरबा डांडिया महोत्सव में हजारो छात्र-छात्राओं, अभिभावको, शिक्षकों ने परंपरागत वेशभूषा में सहभागिता की। महोत्सव के पहले दिन लगभग 800 विद्यार्थियों ने गरबा डांडिया की प्रस्तुति दी और करीब दो हजार लोग शामिल हुए जबकि दूसरे दिन लगभग दो हजार छात्र-छात्राओं सहित अन्य प्रतिभागियों ने गरबा डांडिया खेला और साढे चार हजार लोग शामिल हुए। गरबा महोत्सव में हजारो की भीड़ के बावजूद पूरे परिसर में अनुशासन, संस्कार और संस्कृति का माहौल नजर आया। अनुशासित महोत्सव के आयोजन की अभिभावकों और नागरिकों ने सराहना की। दो दिवसीय महोत्सव में लाइव आर्केस्ट्रा, फूड कोर्ट, मॉडर्न लाइटिंग एवं डीजे साउंड आकर्षण का केन्द्र रहे।

दृष्टिकोण

राकेश दीवान

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

गांधी के नाम पर पाखंड का पसारा

गांधी जयंती पर और कुछ हो, न हो, सत्ता, सरकार, समाज और व्यक्ति का पाखंड खुलकर सामने आ जाता है। एक तरह से 'दो अक्टूबर' पाखंड मापने का सालाना पैमाना ही बन गया है। आप कुछ-भी, कहीं-भी, कोई-भी हों, गांधी के जन्मदिन पर निर्वस्त्र हो ही जाते हैं। किसी समाज, सरकार और व्यक्ति के पाखंड को मापने का यह एक सरल तरीका हो सकत है कि साल में एक बार 'गांधी जयंती' की खबरों को गांधी की 'हिन्द स्वाराज' और अधिक-से-अधिक 'सत्य के प्रयोग' किताबों के बगल में रखकर देख लिया जाए, लेकिन यह कोई करना नहीं चाहेगा। अपने पाखंड की नंगई को आखिर कोई क्यों मंजूर करे? इंग्लैंड में बसे भारतीय मूल के ख्यात लेखक नीरद सी. चौधरी हिन्दुस्तानियों के पाखंड को उजागर करने के लिए जाने और गरियाए जाते रहे हैं, लेकिन क्या 'गांधी जयंती' पर तरह-तरह की कसमें खाकर की जाने वाली पूजा-अर्चना में शामिल पाखंड एक सत्ता, सरकार, समाज और व्यक्ति की हैसियत से की गई हमारी 'पैदावार' ही नहीं होता? महात्मा गांधी की जन्मतिथि दो अक्टूबर पर किए जाने वाले कर्मकांडों में हम जो धतकरम करते हैं, हमारा जीवन ठीक उसके विपरीत न सिर्फ जारी रहता है, बल्कि गांधी को सप्रयास समाप्त करने में ही लगा रहता है।

डॉ. राममनोहर लोहिया ने गांधीवादियों को 'सरकारी,' 'मठी' और 'कुजात' में विभाजित करते हुए खुद और खुद जैसों को 'कुजात' गांधीवादियों में शुमार किया था। उन्होंने सरकार में बैठे, 'दो अक्टूबर'-'30 जनवरी' मनाने वाले, सालभर में उन्हीं दो दिन बुर्राक खादी पहनकर रौब गालिब करने वाले और गांधी को लेकर तरह-तरह के कौतुक करने वाले लोगों को 'सरकारी' गांधीवादी और बडी-छोटी संस्थाएं बनाकर गांधी की आश्रम-पद्धति के जीवन का अंधानुकरण करने, खादी पहनने और किसी-भी मसले पर प्रतिकार के कोई-भी प्रयास से कोसों दूर रहने वाले गांधीवादियों को 'मठी' गांधीवादी माना था। वे मानते थे कि गांधी के असली वारिस सत्य और अहिंसा के भरोसे अन्याय, गैर-बराबरी और दमन का प्रतिकार करेंगे, लेकिन आज के उस 'संक्रमण काल' में जब लोकतंत्र के तीनों आधार, समाज की संवेदनाएं और प्रतिकार की तमाम तैयारी डगमगा रहे हों तो क्या होता दिखाई दे रहा है?

गांधीवादी लोकसेवकों के लिए राजनीति और सत्ता से समान दूरी बनाए रखने की शपथ उठाने वाले अधिकांश कार्यकर्ता आज सत्ता और सरकार से बेतरह गलबहियां डाल रहे हैं, और यह कोई छिपी बात नहीं रह गई है। 'गांधी-150' के आयोजनों को लेकर वरिष्ठ गांधीवादी नेताओं ने दिल्ली की राष्ट्रीय बैठक में पिछले साल ही तय कर लिया था कि इसके तहत होने वाले किसी भी कार्यक्रम में सरकारी साथ, सहायता लेने से बचा जाएगा। इसके पीछे का विचार था कि लोकतंत्र में 'लोक' को सक्रिय करके, उसी की भागीदारी के भरोसे गांधी की 150 वीं जन्मतिथि मनाई जाए, भले ही वह 'सरकारी' की तरह भव्य और विस्तृत न भी हो। इस जमावड़े ने माना था कि गांधी के निमित्त होने वाले ऐसे कार्यक्रम एक समारोह भर न रहकर स्थायी असर पैदा कर पाएंगे, लेकिन 2 अक्टूबर 18 से 2 अक्टूबर 19 के बीच के सालभर की कारगुजारियों को ही देखें तो गांधीवादी कहलाने और उसके नाते जगह-जगह प्रवचन करने वाले ढेरों गैर-सरकारी पंडे-पुजारी सत्ता और सरकार की चापलूसी में दिन-रात एक करते दिखाई देंगे। उन्हें किसी सरकारी आयोजन, मदद और श्रेय लेने से कोई परहेज नहीं है। वे सरकार द्वारा प्रायोजित किसी भी सभा-सम्मेलन और समिति में लपक कर शामिल हो जाते हैं, बिना इस बात की परवाह किए कि गांधी के नाम पर रचा जाने वाला यह कारनामा भी एक तरह का पाखंड ही है। मजा यह है कि अपने 'जीवन को ही अपना संदेश' बताने-कहने वाले गांधी की सेवा-अर्चना में लगे ऐसे 'समाजसेवी' कभी खुद की समीक्षा, संयम, यहां तक कि रोजमर्रा के खर्चों पर लगाम लगाने तक की बात नहीं करते।

गांधी के नाम पर निजी स्तर के इस पाखंड ने ही राष्ट्रीय स्तर पर विकास के पाखंड को भी फलने-फूलने का मौका दिया है। गांधी-गांधी की गुहार लगाती किसी भी डंडे-झंडे की सरकारों और उनके मुखियाओं को देखें तो भले ही वे गांधी की पूजा-पत्री में कुछ करोड़ लगाकर खुद को अव्वल दर्जे का गांधीवादी बता रहे हों, लेकिन 'विकास' का जिक्र आते ही गांधी उनके लिए कोसों दूर की बात हो जाता है। हर हैसियत और दर्जे के प्रधान या मुख्यमंत्री तथा उनके नीचे-ऊपर के तमाम कारिंदे 'विकास' के लिए 'विनाश' की अपरिहार्यता बखानने लगते हैं। सबको लगने लगता है कि विकास तो केवल इसी उजाड़ू, खाऊ-उड़ाऊ तरीके से हो सकता है और ऐसा करते हुए किसी को, किसी गांधी या उनके गांधीवाद की कोई याद नहीं रहती। उलटे गांधी की याद दिलाने वाले गांधीवादी, अहिंसक लोगों में सत्ता और सरकारों को विकास-विरोधी, देशद्रोही की आत्मा दिखाई देने लगती है। क्या गांधी को मानने का दावा करने और धूम-धाम से उनका जन्मदिन मनाने वाली सरकारों को विकास करते हुए 'लघु ही उत्तम' या 'सबसे गरीब के चेहरे पर खुशी' के उनके बुनियादी सिद्धांत दिखाई नहीं पडते? क्या गांधी को पूजा-पत्री से अधिक उनकी मूलभूत बातों पर अमल पसंद नहीं आएगा? ऐसे में गांधी की तरफ पीठ करके गांधी का जन्मदिन मनाना पाखंड नहीं तो और क्या कहलाएगा?

गांधी को गरियाकर विकास करने का यह धतकरम बाजारों की उस मंदी को भी पैदा करने का कारण बनता है जिस पर आजकल दुनिया-जहान में स्यापा हो रहा है। गांधी उत्पादन को उपभोग से जोड़कर देखते थे इसलिए उनके तईं मामूली पिन तक का उपयोग पूर्व-निर्धारित था। आज निर्माण, उत्पादन और सेवा की कोई भी गतिविधि बाजार में बिकने और मुनाफा काटने के आधार पर रची जाती है। मसलन- अनाज उत्पादन का भूख से संबंध समाप्त हो जाने के कारण गोदामों की कमी के चलते खुले में सड़ता हजारों टन अनाज होने के बावजूद सरकारें आज भी उत्पादन बढ़ाने की जुगत में लगी हैं। देशी हो या विदेशी, सभी तरह की अर्थनीतियां एक 'शेखचिल्ली की कहानी' से निर्धारित होती हैं। कहानी है- विज्ञापनों आदि के जरिए बाजार में फर्जी मांग पैदा की जाती है, मांग के चलते उत्पादन किया जाता है, उत्पादन के लिए कारखाने चलते हैं, कारखाने चलने से रोजगार मिलता है, रोजगार से वेतन मिलता है, वेतन से उपभोक्ता का निर्माण होता है और उपभोक्ता बाजार जाकर मांग पैदा करता है। भूख, कुपोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, रहन-सहन आदि गतिविधियां शेखचिल्ली की इस कहानी में बीच-बीच में जरूरत पड़ने पर आती-जाती रहती हैं।

गौर-तलब है कि इस कहानी में उत्पादन, उपभोग की बजाए बाजार की अहमियत मानी जाती है। नतीजे में बाजार ही हमारे तमाम क्रिया-कलापों को नियंत्रित करता है। किसी कारण उपभोक्ता बाजार से खरीदना बंद कर दे तो शेखचिल्ली की कहानी के सभी पात्र धीरे-धीरे ठंडे पडने लगते हैं और इसी को आर्थिक मंदी के नाम से पुकारा जाता है। गांधी के अर्थशास्त्र में कहीं इंसान यानि उपभोक्ता को अनदेखा करके बाजार की अहमियत नहीं मानी गई है, लेकिन गांधी का भजन गाने वाले इस अर्थशास्त्र को खारिज करते हैं। जाहिर है, गांधी की स्तुति असल में पाखंड ही है। आखिर किसी बात पर, कोई गौर न करने वालों की गांधी की पूजा-अर्चना पाखंड नहीं तो और क्या है? बस, पाखंड में डूबते-उतराते लोगों को इतना जरूर याद रखना चाहिए कि अनदेखा करने, मारने की कितनी भी कोशिश कर लें, गांधी लौट-लौट कर आएंगे। उनका संसार तो दुनिया के उन सत्तर फीसदी लोगों के बीच है जो समाजशास्त्र हो या अर्थशास्त्र, राजनीति हो या समाजसेवा सभी में गांधी को पहचान लेते हैं।

कैलाश मुकाती बने जनपरिषद के मनावर चैप्टर के अध्यक्ष

धार । अखिल भारतीय स्तर की सामाजिक संस्था जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी श्री एन के त्रिपाठी ने, जन परिषद के मालवा क्षेत्र के सह संयोजक श्री जितेन्द्र पुरोहित एवं धार चैप्टर के अध्यक्ष श्री राजेश शर्मा की अनुशंसा पर पत्रकार एवं समाज सेवक कैलाश मुकाती को जन परिषद के मनावर चैप्टर का अध्यक्ष मनोनीत किया है । ज्ञात रहे जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था है, जो कि गत 35 वर्षों से सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों में सक्रिय होने के साथ साथ, कई ऐतिहासिक एवम् अभूतपूर्व संदर्भ ग्रन्थों का प्रकाशन कर चुकी है।संस्था पर्यावरण पर 10 अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुकी है ।अगली कॉन्फ्रेंस वियतनाम में होगी । संस्था के इस समय पूरे देश में 257 एवं विदेशों में 7 चैप्टर्स बन चुके हैं। संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है जो कि रचनात्मक एवम् सामाजिक सुधार के कार्यों को मूर्तरूप दे रहे हैं। संस्था का मुख्य आधार मानवीय, सामाजिक एवं राष्ट्रीय दृष्टिकोण है।

राकेश कुमरावत बने जनपरिषद के धरमपुरी चैप्टर के अध्यक्ष

धार। अखिल भारतीय स्तर की सामाजिक संस्था जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी श्री एन के त्रिपाठी ने, जन परिषद के मालवा क्षेत्र के सह संयोजक श्री जितेन्द्र पुरोहित एवं धार चैप्टर के अध्यक्ष श्री राजेश शर्मा की अनुशंसा पर पत्रकार एवं समाज सेवक राकेश कुमरावत को जन परिषद के धरमपुरी चैप्टर का अध्यक्ष मनोनीत किया है । ज्ञात रहे जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था है, जो कि गत 35 वर्षों से सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों में सक्रिय होने के साथ साथ, कई ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व संदर्भ ग्रन्थों का प्रकाशन कर चुकी है। संस्था पर्यावरण पर 10 अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुकी है। अगली कॉन्फ्रेंस वियतनाम में होगी। संस्था के इस समय पूरे देश में 257 एवं विदेशों में 7 चैप्टर्स बन चुके हैं। संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है जो कि रचनात्मक एवं सामाजिक सुधार के कार्यों को मूर्तरूप दे रहे हैं।संस्था का मुख्य आधार मानवीय, सामाजिक एवं राष्ट्रीय दृष्टिकोण है।

भाजपा सदस्यता अभियान में सम्मिलित हुए प्रदेश भाजपा संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा

धार। संगठन पर्व 2024 के अंतर्गत भाजपा संगठन के पदाधिकारी द्वारा सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसी बीच रविवार को भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा मनावर विधानसभा के सिंघाना मंडल में गणपुर शक्ति केंद्र के ग्राम देवगढ़ बूथ क्रमांक 160 एवं 161 में भाजपा कार्यकर्ताओं के मध्य पहुंचे इस दौरान उन्होंने देवगढ़ और सिंघाना में सदस्यता अभियान के तहत कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर नए सदस्य को जोड़ा वही मनावर में पदाधिकारियों से भी मिलकर अभियान में आ रही समस्याओं पर बारीकी से चर्चा की तथा भाजपा

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को भाजपा की सदस्यता दिलाई एवं शक्ति केंद्र की बैठक को संबोधित किया । इस अवसर पर हितानंद शर्मा ने कहा कि लक्ष्य की प्राप्ति करना हमारा उद्देश्य नहीं है भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और लगातार इसका विस्तार हो रहा है परंतु हमारा उद्देश्य यह होना चाहिए कि हम अधिक से अधिक सदस्यों को भाजपा परिवार से जुड़े अगर हम किसी लक्ष्य को निर्धारित कर लेते हैं तो उसकी प्राप्ति पर हमारी गतिविधियां धीमी पड़ सकती हैं परंतु हमारा लक्ष्य केवल सदस्य बनना रहा तो यह अभियान विराट रूप ले लेगा। पार्टी का प्रत्येक पदाधिकारी भाजपा के सक्रिय सदस्य बने और अपने परिचितों को भाजपा विचारधारा से जोड़कर उन्हें सदस्य बनाएं। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष सौरभ शर्मा, जिला पंचायत सदस्य एवं मनावर विधानसभा प्रत्याशी 2023 शिवराम गोपाल कन्नौज,युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जय सुर्या नगर पालिका अध्यक्ष अजय पाटीदार मंडल अध्यक्ष मोनु पाटीदार, सुनील पाटीदार,सोनाली श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी अंकित शुक्ला व मण्डल पदाधिकारी सहित पार्षद व शक्ति केंद्र के भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। उक्त जानकारी भाजपा के विधानसभा मीडिया प्र भारी अंकित शुक्ला द्वारा दी गई। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

अचंभित करती आस्था, मातृशक्ति के सैलाब से मालवा की वैष्णो देवी के दरबार में आस्था का समंदर

नंगे पैर, सिर पर कलश – जय माता दी का उद्घोष, आस्था का यह अनूठा संगम बरसों – बरस याद रहेगा

राजेश शर्मा

धार। माता के आंगन में ऐसा समागम मानों आस्था का समंदर हिलौरे ले रहा हो। मालवा की वैष्णोदेवी के रूप में देश- प्रदेश में विख्यात दिग्ठान वाली माता के दरबार में सोमवार को मातृशक्ति का सैलाब ऐसा उमड़ा कि इस अलौकिक- अनूठे दृश्य को निहारने मानों पूरा दिग्ठान सड़कों पर था।

माता के दरबार में ऐतिहासिक चुनरी कलश यात्रा में आस्था का समंदर, माता- बहनों का अलौकिक- अप्रतिम - अचंभित करने वाला सैलाब - आस्था का यह अनूठा संगम बरसों - बरस याद रहने वाली स्मृतियों में बस गया है। आखिर उत्सव और उल्लास ही तो भारत और भारतीयों की पहचान है और इस में रंग भरते है आस्था के ये अनूठे समंदर।

मालवा की वैष्णो देवी दिग्ठान वाली माता के दरबार में माता की आराधना को लेकर इस वर्ष भी चुनरी कलश यात्रा का आयोजन संरक्षक समंदर सिंह पटेल उटावद द्वारा रखा गया था। हजारों मातृशक्ति ने कलश धारण कर माता की भक्ति के निमित्त माता को चुनरी कलश अर्पण कर माता की आराधना की। चुनरी कलश यात्रा संरक्षक समंदर सिंह पटेल द्वारा प्रतिवर्ष धर्म जागरण सामाजिक समरसता एवं माता की आराधना को लेकर यह भव्य आयोजन किया जाता है। चुनरी कलश यात्रा का एकत्रीकरण पिपलिया में रखा गया था जहां प्रातः से ही बड़ी संख्या में मातृशक्ति के आने का क्रम जारी

था, देखते ही देखते सैकड़ों वाहनों से हजारों की संख्या में मातृशक्ति उपस्थित हो गई। पिपलिया चुनरी कलश यात्रा एकत्रीकरण स्थान पर फलाहार के पश्चात कलश पूजन कर यात्रा प्रारंभ की गई। संरक्षक समंदर सिंह पटेल द्वारा सपत्नीक कलश का विधिवत पूजन कर यात्रा को प्रारंभ करवाया।

पुष्प वर्षा कर हुआ भव्य स्वागत

यात्रा में सबसे आगे बालिकाएं गरबा नृत्य कर रही थी, चलित डीजे में गायक अपने भजनों की प्रस्तुति दे रहे थे, इनके पीछे मातृशक्ति कलश धारण कर आस्था के साथ माता की आराधना में लीन थी, कलश यात्रा के पीछे चुनरी यात्रा संरक्षक समंदर सिंह पटेल के साथ बड़ा जनसमूह था जिसमें जनप्रतिनिधि एवं आसपास क्षेत्र के गणमान्य बंधु कदमताल करते हुए चल रहे थे। यात्रा ने जैसे ही दिग्ठान में प्रवेश किया मंचो से स्वागत के लिए आतुर लोगों ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। चुनरी यात्रा संरक्षक समंदर सिंह पटेल का कई मंचों से स्वागत किया गया। दिग्ठान की सड़कों पर पैर रखने की जगह नहीं थी, लोगों ने मातृशक्ति के साथ घर की छत और बालकनियों से यात्रा को देखा, जिसे देखो वह इस यात्रा के स्वरूप को अपने फोन के कैमरे में कैद कर रहा था। पूर्ण वैभव के साथ यात्रा माता मंदिर पहुंची जहां पंडित अक्षय तेनगुरिया ने विधि विधान से पूजा अर्चना करवाई। सभी ने माता के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया, चुनरी कलश यात्रा संरक्षक समंदर सिंह पटेल ने माता को चुनरी अर्पित की। इस भव्य एवं सफलतम आयोजन को लेकर पटेल ने यात्रा में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप में सहयोग देने पर सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट किया है।

केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, पूर्व मंत्री विक्रम वर्मा, पूर्व मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव, नीना वर्मा ने की शिरकत ।

चुनरी कलश यात्रा में केंद्रीय राज्य मंत्री , सावित्री ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव, धार विधायक नीना वर्मा समाजसेवी चंदनसिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार मेड़ा, जिला पंचायत उपाधक्ष प्रतिनिधि हेमसिंह पटेल, सर्व ब्राह्मण समाज कार्यकारी अध्यक्ष धर्मेंद्र जोशी, मनीष महाजन, लालू यादव, नवीन गर्ग,अशोक शास्त्री विनीत मंडलोई, दिनेश कुशवाह,पंकज शर्मा, संजय पटेल, विक्रम पटेल,दीपक यादव, राजा ठाकुर, माता के भक्त उपस्थित थे।

अतुल अलंकार स्मृति प्रतिभा सम्मान समारोह में सांसद दर्शनसिंह चौधरी ने कहा सोहागपुर बुद्धिजीवियों की धरा है

हीरालाल गोलानी सोहागपुर।

सोहागपुर बुद्धिजीवियों की धरा है यहां मिलने वाला सम्मान अपने आपमें गौरव की बात है इन प्रतिभाओं को सम्मानित कर हम स्वयं गौरवान्वित है जिन्होंने प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा से एक स्थान बनाया है। हमारा नर्मदांचल अनेक साहित्यिक और मूर्धन्य प्रतिभाओं की खान रहा है। आज भी यहां प्रतिभाओं की कमी नहीं है।

उक्त उद्गार क्षेत्रीय सांसद दर्शनसिंह ने परशुराम भवन में पलकमती साहित्य परिषद के तत्वावधान में आयोजित – वरिष्ठ पत्रकार,साहित्यकार,कवि अतुल दुबे अलंकार स्मृति सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कहें। इस अवसर पर जिला संघचालक शिवदयाल चौधरी,नगर परिषद अध्यक्ष लता यशवंत पटेल, समाजसेवी कन्नूलाल अग्रवाल आदि मंचासीन थे। आपने आगे कहा कि सोहागपुर का अतीत गौरवशाली रहा है। नव ऊर्जा को संकलित करते हुए हम भविष्य को और अधिक समृद्धशाली बनाएंगे। बुद्धिजीवी जब सबल होगा तो भारत एक दिन विश्वगुरु बनेगा। मैं समाजसेवा से राजनीति में आया हूं। मैं राजनीति में समाजसेवा का माध्यम बनूंगा। आपने अंत में कहा कि किसानों के लिए फसल के वाजिब दाम के संबंध में एक हफ्ते में अच्छी खबर सुनाऊंगा। जिला संघ चालक शिवदयाल चौधरी ने कहा कि यह नगर बुद्धिजीवियों की धरा है । आपने आव्हेहान किया पर्यावरण संरक्षण, जल, अन्न के अपव्यय और समाज सुधार के लिए अग्रणीय भूमिका निभानी होगी। वहीं आपने पौधरोपण करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। पत्रकार श्री दीवान ने अपनी पत्रकारिता के सफर में सोहागपुर के योगदान का जिक्र किया। साहित्यकार शशांक गर्ग ने अपनी प्रतिनिधि कविता अम्मा कविता का पाठ कर खूब तालियां बटोरी। अभिनेता शैलेन्द्र कौरव ने कहा कि क्षेत्र में फिल्म टूरिज्म बढ़ने से न सिर्फ क्षेत्रीय कलाकारों को मंच मिला है बल्कि स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार भी मिला है । इसके साथ फिल्म मेकर शूटिंग यूनिट आ रही है ।जिसमें स्थानीय लोगों के सहयोग सम्माहित रहेगा।

सम्मानित

आजतक के वरिष्ठ पत्रकार जयप्रकाश दीवान, वरिष्ठ साहित्यकार सीनियर एडिशनल एसपी शशांक गर्ग भोपाल, पत्रकार एवं अभिनेता शैलेन्द्र कौरव नर्मदापुरम, फिल्म टूरिज्म संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लाइन प्रोड्यूशर श्रीजीतसिंह ठाकुर को शाल-श्रीफल से अतिथियों ने सम्मानित किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने स्व अतुल दुबे एवं सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कनिष्का और कनक ने नर्मदाष्टक की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष प्रबुद्ध दुबे, आनन्द दुबे वरिष्ठ पत्रकार नीलम तिवारी, कृष्णा पालीवाल, इंद्र कुमार दीवान , कैलाश नारायण परसाई, शिवकुमार दीवान, उमेश ठाकुर, जीवन जी दुबे आदि उपस्थित थे । इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन संजीव शुक्ला ने किया। आभार राजेश शुक्ला ने व्यक्त किया।

सोहागपुर के सात खिलाड़ी थे टीम में शामिल, छतरपुर में नर्मदापुरम दिव्यांग क्रिकेट टीम ने विजयश्री हासिल की

सुबह सवेरे सोहागपुर

दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में स्वगीर्य प्रहलाद स्मृति कप दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन पुलिस मैदान छतरपुर में संपन्न हुआ। इस दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता नर्मदापुरम संभाग एवं सागर संभाग के बीच दिव्यांग क्रिकेट मैच खेला गया । इस प्रतियोगिता में नर्मदापुरम संभाग दिव्यांग क्रिकेट टीम ने सागर संभागीय दिव्यांग क्रिकेट टीम को

हराया।सागर संभाग ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 139 रन बनाए। वहीं नर्मदापुरम संभाग टीम ने 14.3 ओवर 140 रन बना कर सागर को पराजित किया । नर्मदापुरम टीम के बल्लेबाज विकास यादव ने 34 गेंदों मे 63 रन बनाकर मेनआफ द मैच प्राप्त किया एवं 4 ओवर मे 3 विकेट लेकर बालर बाबी ने मेन आफ़ द बालर प्राप्त किया। नर्मदापुरम संभाग टीम कप्तान गौतम अहिरवार एवं उप कप्तान तरून कुशवाह आदि टीम के समस्त खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर अतिथियों मनोज पटेल प्रधान तालगांव, पत्रकार एवं समाजसेवी मोहम्मद इमरान छतरपुर, शिवांगी आदि ने खिलाड़ियों को टीम के कप्तान गौतम अहिरवार ने सुबह सवेरे प्रतिनिधि को दी।

गांधी मंच के पुनर्निर्माण की मांग – श्री राम नाट्य समिति के सचिव वकील अखिलेश मालवीय ने अनुविभागीय अधिकारी असवनराम चिरामन को विख्यात गांधी मंच के पुनर्निर्माण को लेकर ज्ञापन सौंपा है। जिसमें गांधी मंच की दयनीय स्थिति पर ध्यानाकर्षण किया गया है। वहीं नगर पंचायत परिषद एवं प्रशासन से आग्रह किया है कि इस विरासत को बचाएं।जिस गांधी चबूतरे पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अंग्रेजी शासन में क्षेत्र की जनता-जनार्दन को संबोधित किया था। वहीं इसी मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

जमीन के लालच में अंधा हो गया बड़ा बेटा

फावड़े से मार दी 110 साल की मां, बचाने आए भाई की भी ली जान

शिवपुरी (नप्र)। जिले के पिछोर अनुविभाग के मायापुर थाना क्षेत्र में एक दोहरे हत्याकांड का मामला सामने आया है। इस हत्याकांड में एक व्यक्ति ने अपनी मां और अपने भाई की फावड़े से हत्या कर दी। हत्याकांड के पीछे जमीनी विवाद बताया जा रहा है। पुलिस मौके पर पहुंची है और जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।

फावड़े से उतारा मौत के घाट

बताया जाता है कि मायापुर थाना सीमा में आने वाले गांव रामपुर में निवास करने वाले राजबंधु सिख का बीती रात अपनी मां दिलीप कौर और अपने भाई दर्शन सिख से विवाद हो गया था। रात में यह विवाद किसी तरह शांत हो गया था। इसके बाद सोमवार सुबह 7 बजे फिर विवाद होने लगा। विवाद जमीन को लेकर बताया जा रहा है।

भाई की भी ली जान

इस विवाद में राज बंधु उम्र 75 साल पुत्र लाभ सिंह सिख इतना उग्र हो गया कि उसने घर में रखे फावड़े से अपनी 110 साल की मां दिलीप कौर को मारना शुरू कर दिया। अपनी मां को बचाने के लिए राज बंधु का भाई दर्शन सिख उसे बचाने आया तो राज बंधु सिख ने अपने भाई के सिर में फावड़ा मार दिया। इस घटना के बाद राज बंधु घटनास्थल से फरार हो गया।

आसपास के लोगों ने दी सूचना

बताया जाता है कि राज बंधु सिख अपने परिवार के साथ अपने फार्म हाउस पर ही निवास करता था। आज सुबह जब पास के लोग राज बंधु के घर पर पहुंचे तो वहां घर के पास राज बंधु के भाई दर्शन सिख और उसकी मां की लाश पड़ी हुई थी। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद मौके पर पहुंची मायापुर पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद समिति का फैसला

बदलेगा महाकाल मंदिर के प्रसाद का पैकेट, शिखर और ओउम् का चिन्ह हटेगा

उज्जैन (नप्र)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकाल मंदिर में मिलने वाले प्रसाद का पैकेट बदला जा रहा है। अब इस पैकेट पर महाकाल मंदिर की तस्वीर और ओम का चिन्ह नहीं दिखेगा। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए मंदिर समिति को 3 महीने का समय दिया था। हालांकि मंदिर समिति ने कोर्ट से इस आदेश पर अमल के लिए समय मांगा था। मंदिर समिति के इस फैसले के बाद अब मंदिर चर्चा में है।

बदली जाएगी प्रसाद के पैकेट की डिजाइन- श्री महाकालेश्वर मंदिर की लड्डू प्रसादी के पैकेट पर छपे ऊँ और मंदिर के शिखर को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। इस विवाद पर मंदिर प्रबंधन समिति ने बड़ा फैसला लिया है। अब लड्डू प्रसादम् के पैकेट की डिजाइन बदली जाएगी। इसके बदले नए डिजाइन के पैकेट तैयार किए जाएंगे।

मंदिर समिति ने मांगी थी रिपोर्ट- 24 अप्रैल 2024 को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने मंदिर प्रबंध समिति को तीन महीने में शिखर फोटो और ऊँ हटाने के आदेश दिए थे। मंदिर समिति ने कोर्ट से पुराने पैकेट का स्टॉक खत्म होने तक का समय मांगा था।

संतों ने दायर की थी याचिका- इससे पहले 19 अप्रैल 2024 को महंत सुखदेवानंद ब्रह्मचारी गुरु, महंत योगानंद, ब्रह्मचारी शंभु पंच अग्नि अखाड़ा इंदौर और पंडित शरद कुमार मिश्र, स्वामी राधाकान्ताचार्य जी महाराज और दुर्गाशक्ति पीठ ने इंदौर हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। सभी ने एक स्वर से महाकाल मंदिर के लड्डू प्रसादी के पैकेट पर महाकाल मंदिर, ओंकारेश्वर और ऊँ छापने को गलत बताया। सभी ने इसे हटवाने की मांग की थी।

बीएड चौथे सेमेस्टर के परिणाम पर एनएसयूआई ने उठाए सवाल, पुनर्मूल्यांकन की मांग

कुलपति के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। एनएसयूआई ने बीएड चौथे सेमेस्टर के पर्यावरण विषय के परिणाम में सुधार की मांग को लेकर कलेक्टर के माध्यम से कुलपति छिंदवाड़ा के नाम ज्ञापन सौंपा। जैद खान ने बताया कि बीएड चौथे सेमेस्टर के पेपर में पर्यावरण विषय के लिए 75 अंकों का प्रश्नपत्र आया था, जिसमें से पास होने के लिए छात्रों को 28 अंक प्राप्त करना आवश्यक था। जिले के सभी कॉलेजों में विद्यार्थियों ने 28 अंक प्राप्त किए, फिर भी उनके परिणाम में एटीकेटी लगाई गई और उन्हें पुनः पेपर देने के लिए बाध्य किया गया। यह गलत है क्योंकि नियम के अनुसार 75 अंकों में से 28 अंक प्राप्त करने पर विद्यार्थी को पास माना जाना चाहिए। एनएसयूआई ने इस गड़बड़ी को लेकर विरोध जताया और विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए परिणाम में संशोधन की मांग की। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ हो रहे इस खिलवाड़ को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि विद्यार्थियों के पर्यावरण शिक्षण के परिणाम में संशोधन नहीं किया गया।

जेपी ग्रुप से छिन सकती है 753 एकड़ जमीन

सतना कलेक्टर के प्रस्ताव पर 4 साल बाद होगी सुनवाई, चूना पत्थर निकालने मिली थी लीज

- **एमपी में जेपी ग्रुप को 305.163 हेक्टेयर जमीन लीज पर दी गई थी**

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में जेपी सीमेंट ग्रुप को लीज पर दी गई 305.163 हेक्टेयर (753.75) एकड़ जमीन वापस ली जा सकती है। सरकार ने 30 साल के लिए यह जमीन सतना के रामपुर बघेलान तहसील के जनार्दनपुर और रामनगर गांवों में दी थी। जिसमें लाइम स्टोन (चूना पत्थर) निकाला जाना था। लेकिन, 2 साल तक खनन संबंधी कोई काम शुरू नहीं किया गया, जो शर्तों का उलंघन है।

ऐसे में सतना कलेक्टर ने 4 साल पहले दोनों गांव की अलग-अलग लीज जमीन के प्रस्तावों को निरस्त करने का प्रपोजल शासन को भेजा था। अब इस मामले में खनिज साधन विभाग सुनवाई करने जा रहा है। विभाग ने 9 अक्टूबर को जय प्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड रीवा को हाजिर होने के लिए तलब किया है।

लीज मंजूरी के बाद 2 साल तक काम नहीं- खनिज साधन विभाग के अवर सचिव प्रकाश पंद्रे ने जय प्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड रीवा को नोटिस भेजा है। जिसमें कहा है कि रामपुर बघेलान तहसील के जनार्दनपुर गांव में 135.435 हेक्टेयर जमीन चूना पत्थर खनन के लिए दी गई थी। जिसकी अवधि 12 अगस्त 2013 से 11 अगस्त 2043 तक यानी 30 साल थी। लेकिन, लीज मंजूरी के बाद 2 साल तक काम नहीं हुआ, जो पट्टा शर्तों का सीधा उल्लंघन है।

इसी कारण सतना कलेक्टर ने 20 जुलाई 2020 को खनिज (परमाणु तथा हाइड्रो कार्बन ऊर्जा खनिजों से भिन्न) रियायत नियम 2016 के नियम 20 के अंतर्गत लीज प्रस्ताव लैप्स किया जाना प्रस्तावित किया है। अब 9 अक्टूबर को अपर सचिव खनिज साधन विभाग इस मामले की सुनवाई करेंगे, और इसमें जेपी ग्रुप का पक्ष सुनेंगे।

रामनगर में है 169.728 हेक्टेयर जमीन- इसी तरह का एक अन्य मामला सतना जिले की रामपुर बघेलान तहसील के रामनगर गांव का भी है। जहां के अलग-अलग खसरों वाली 169.728 हेक्टेयर जमीन का लीज प्रस्ताव भी निरस्त करने का नोटिस दिया है। यह लीज जेपी ग्रुप को 28 दिसंबर 2008 से 27 दिसंबर 2038 तक के लिए मंजूर की गई थी। मामले में भी 9 अक्टूबर को ही सुनवाई है जिसमें जेपी ग्रुप का पक्ष प्रस्ताव निरस्त करने के पहले लिया जाएगा।

यूपी में भी है इस ग्रुप के क्लस्टर- जेपी ग्रुप की मौजूदगी रीवा, सतना क्लस्टर के अलावा उत्तर प्रदेश में भी हैं। जेपी ग्रुप देश का तीसरा सबसे बड़ा सीमेंट उत्पादक ग्रुप है। जेपी सीमेंट, बुलंद, मास्टर बिल्डर और बुनियाद जैसे ब्रांड नामों के अंतर्गत पोर्टलैंड पॉजोलाना सीमेंट का विशेष मिश्रण तैयार करता है। जेपी ग्रुप के सीमेंट कारखानों में संयुक्त उपक्रमों सहित कुल क्षमता करीब 6 मिलियन टन प्रति वर्ष है।

जेपी ग्रुप की 1986 में स्थापना हुई थी- भारत की प्रमुख सीमेंट कंपनी जेपी ग्रुप की 1986 में स्थापना हुई थी। भारत के 18 कारखानों में 28.1 मिलियन टन सीमेंट उत्पादित की जाती है। हाल ही में जेपी ग्रुप की संपत्तियों पर अडाणी ग्रुप के अधिग्रहण करने संबंधी खबरें आई हैं। अडाणी ग्रुप, जेपी ग्रुप की रियल एस्टेट्स और सीमेंट यूनिट को खरीदने पर विचार कर रहा है।

रेप पीड़िता समेत तीन को गोली मारी

बुजुर्ग की मौके पर ही मौत, राजीनामे का दबाव बनाने नाबालिग के घर पहुंचा था आरोपी

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर में सोमवार सुबह साढ़े 10 बजे सिविल लाइन्स थाना क्षेत्र के ग्राम मौराहा में दुष्कर्म के आरोपी ने पीड़िता समेत उसके परिवार के तीन लोगों को गोली मार दी। घटना में एक बुजुर्ग की मौत हो गई जबकि पीड़िता और उसके चाचा घायल हुए हैं। पीड़िता को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। चाचा को गंभीर हालत में ग्वालियर रेफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक 3 महीने पहले भोला अहिरवार (28) के खिलाफ नाबालिग लड़की से रेप का केस दर्ज हुआ था। सिविल लाइन्स पुलिस तभी से उसकी तलाश कर रही थी, लेकिन वह हाथ नहीं आया।

राजीनामा करने का दबाव बना रहा था आरोपी

बताया जा रहा है कि रविवार-सोमवार की दरमियानी रात भोला अहिरवार गांव पहुंचा। सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे अवैध हथियार लेकर पीड़ित लड़की के घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की। वो केस में राजीनामे का दबाव बना रहा था, तभी पीड़िता के दादा (65) ने भोला को रोकने की कोशिश की। इससे भोला का गुस्सा भड़क उठा और उसने दादा के सीने में गोली मार दी। दादा की मौके पर ही मौत हो गई।

टीम बनाकर की जा रही आरोपी की तलाश

मामले में छतरपुर एसपी अगम जैन का कहना है कि घटनाक्रम की जांच की जा रही है। आरोपी भोला अहिरवार पर पहले से ही नाबालिग के साथ बलात्कार का मामला दर्ज है। वह इसी घटना में राजीनामे को लेकर दवाब बना रहा था, जिसको लेकर यह घटनाक्रम हुआ है। आरोपी पकड़ने के लिए टीम बना दी गई है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घर से भागते समय चाचा को भी गोली मारी

इसके बाद आरोपी ने पीड़िता के पेट में कट्टे से गोली मारी और मौके से भाग निकला। जैसे ही आरोपी घर से बाहर निकला, उसे पीड़िता का चाचा (23) मिल गया। भोला ने उसे भी एक गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। घायलों को परिजन ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

घटना की जानकारी मिलते ही सीएसपी अमन मिश्रा, सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे मौके पर पहुंचे। एसपी अगम जैन ने बताया कि इस मामले में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है, वहीं दूसरे व्यक्ति को इलाज के लिए रेफर किया गया है। नाबालिग लड़की का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

चाचा की हालत गंभीर

घटना में पीड़िता का चाचा और पीड़िता खुद घायल है, जिनको इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया था। यहां से उसके चाचा की गंभीर हालत को देखते हुए ग्वालियर रैफर कर दिया गया है।

मैहर की प्रभारी मंत्री राधा सिंह को गेस्ट हाउस में नहीं मिला खाना, कहा-

रात भर मुझे भी भूखा सोना पड़ा...

मैहर (नप्र)। मध्य प्रदेश के मैहर जिले से प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। मैहर गौरव दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने आईं प्रभारी मंत्री राधा सिंह को रात में खाना नहीं मिला है। उन्हें भूखे सोना पड़ा है। पत्रकारों की समस्या सुनते वक्त उन्होंने अपनी पीड़ा व्यक्त की है। उन्हें जब नींद नहीं आ रही थी तो पूरी रात करवटें बदलती रहीं।

दरअसल, मामला मध्यप्रदेश के मैहर जिले का है। जिला को बने हुए अभी एक साल हुए हैं। गौरव दिवस के उपलक्ष्य पर मैहर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री राधा सिंह मैहर पहुंची थीं। कार्यक्रम समाप्ति के बाद रात को जब मंत्री राधा सिंह सर्किट हाउस पहुंचीं तो उनके भोजन की व्यवस्था प्रशासन द्वारा नहीं की गई। प्रभारी मंत्री पूरी रात भूखे पेट जागती रही।

मंत्री को भूखे पेट बितानी पड़ी रात- वीडियो में प्रभारी मंत्री ने कहा कि जब मैं यहां आई तो यहां पर कोई नहीं था। मैं प्रभारी मंत्री हूं, यह मेरी बेइज्जती है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई बात नहीं, जब घर में कोई शादी विवाह का कार्यक्रम होता है तो कुछ कमियां रह जाती हैं। मंत्री ने उदाहरण देते हुए यहां तक कहा कि शादी विवाह है यह, कुछ चूक हो जाती है। वहीं, मंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी मेले के व्यवस्थाओं पर जुटे हुए हैं। उनसे भूल हो गई होगी। प्रभारी मंत्री ने तो इस बात को कोई बात नहीं कहते हुए तो टाल दिया।

मंत्री ने रात को ही एसडीएम से पूछा- प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने वीडियो में कहा कि मैंने रात में ही एसडीएम से खाना की व्यवस्था को लेकर पूछा। एसडीएम ने जबाब दिया कि मैंने खाना के लिए बोला था, हो सकता है ज्यादा रात की वजह से खाना उपलब्ध नहीं हो सका होगा। मंत्री ने यह सुनकर कहा कि कोई बात नहीं।

इंडिया की जीत पर तिरंगा लेकर झूमे फैंस

ग्वालियर में मना जश्न, 14 साल बाद इंटरनेशनल मैच; सिंधिया बोले-गौरवशाली क्षण

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में भारत और बांग्लादेश के बीच 3 मैच की टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला भारत ने जीत लिया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की। बांग्लादेशी टीम 128 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। जवाब में भारत ने 11.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत की जीत के बाद स्टेडियम से बाहर निकले फैंस तिरंगा लेकर झूमने लगे। उन्होंने इंडिया-इंडिया के नारे लगाए। 14 साल बाद श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्टेडियम में होने वाले मैच को देखने जबलपुर,

छिंदवाड़ा समेत अन्य शहरों से भी लोग पहुंचे। दूसरे राज्यों से दर्शक यहां आए थे। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी यहां पहुंचे। उन्होंने दर्शकों का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों के लिए यह गौरवशाली क्षण है।

दर्शकों से काली टीशर्ट स्टेडियम के बाहर ही उतरवाई थी- दर्शकों की एंट्री शाम 4 बजे से शुरू हो गई थी। कड़ी चेकिंग के बाद ही उन्हें स्टेडियम में जाने दिया गया। काली टीशर्ट और कैप बैन थी। कुछ दर्शक काली टीशर्ट पहनकर पहुंचे तो सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें गेट पर ही रोक लिया। जब वे दूसरी टीशर्ट पहनकर आए तब अंदर जाने दिया।

यहीं सचिन ने जड़ा था वनडे में दोहरा शतक- ग्वालियर में 1988 से 2010 तक हुए 12 इंटरनेशनल क्रिकेट मैच में टीम इंडिया 8 बार जीती। सभी मैच शहर के पुराने कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम में खेले गए थे। वनडे का पहला दोहरा शतक यहां ही 24 फरवरी, 2010 में सचिन तेंदुलकर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ जड़ा था। श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्टेडियम का इनॉगरेशन इसी साल हुआ है।

6 साल की बच्ची और नर्सिंग छात्रा से रेप

किडनैप कर वारदात को दिया अंजाम; नदी किनारे बेहोश मिली युवती

डिंडौरी (नप्र)। डिंडौरी में एक दिन में रेप के दो मामले सामने आए हैं। घर में खेल रही 6 साल की बच्ची से पड़ोसी ने दुष्कर्म किया। वहीं, रविवार शाम को नर्सिंग छात्रा को अगवा कर आरोपियों ने उसके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। छात्रा नदी किनारे बेहोशी की हालत में मिली। दोनों ही मामलों में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, 6 साल की जिस बच्ची से पड़ोसी ने रेप किया उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उसका इलाज जबलपुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में चल रहा है।

पहली घटना- नाना-नानी के यहां आई बच्ची से रेप- जिले के शहपुरा थाना क्षेत्र में 6 साल की बच्ची अपने नाना-नानी के यहां गांव आई थी। माता-पिता शहपुरा में रहते हैं। रविवार सुबह करीब 10 बजे बच्ची घर के अंदर खेल रही थी। नानी घर के पीछे गोबर डाल रही थी। नाना किसी काम से बाहर गए थे। इसी दौरान आरोपी घर के अंदर घुसा और मुंह दबाकर मासूम के साथ गंदा काम किया।

इसके बाद बच्ची को दरवाजे के पास बदहवास हालत में छोड़कर भाग निकला। पड़ोस की लड़की ने जब उसे देखा, तो नानी को बुलाया। नानी पहुंची, तो बच्ची को ब्लीडिंग हो रही थी। दर्द से तड़पती बच्ची ने नानी को आपबीती बताई। शोर सुनकर गांववाले भी इकट्ठा हो गए। इसके बाद नानी उसे शहपुरा थाने लेकर पहुंची। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

बच्ची की हालत गंभीर, जबलपुर में चल रहा इलाज- घटना के बाद बच्ची को डिंडौरी जिला अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने बच्ची को जबलपुर मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया। आरोपी पेशे से मजदूर है। बताया जा रहा है कि पड़ोस में रहने के कारण बच्ची आरोपी को चाचा कहकर बुलाती थी।

दूसरी घटना- नर्सिंग की छात्रा बेहोशी की हालत में मिली- डिंडौरी सिटी कोतवाली टीआई गिरवर उईके ने बताया कि रविवार शाम करीब 7:30 बजे डायल 100 को सूचना मिली कि नर्मदा किनारे एक लड़की बेहोश पड़ी है। टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के बाद उसे होश आया। लड़की ने खुद को नर्सिंग की छात्रा बताया।

उसने पुलिस को बताया कि शाम को पड़ोस में रहने वाले चंद्रकांत मरावी (25) और राजकुमार (27) बहला-फुसलाकर सुनसान जगह ले गए थे। वहां आरोपी चंद्रकांत ने मारपीट की। उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद जब भागने लगी। रास्ते में अज्ञात बदमाशों ने भी उसे रोक कर दुष्कर्म की कोशिश की। वो वहीं बेहोश होकर गिर पड़ी। इसके बाद आरोपी उसे वहीं छोड़कर भाग गया। गांववालों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रविवार रात करीब 11:30 बजे केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

एक साल से छात्रा के संपर्क में था आरोपी

दुष्कर्म का आरोपी चंद्रकांत मरावी चंद्र विजय कॉलेज से बीएसडब्ल्यू की पढ़ाई कर रहा है। वो छात्रा से पिछले एक साल से संपर्क में था। एक साल पहले दोनों की मुलाकात हुई। दोनों ने एक-दूसरे का मोबाइल नंबर लिया। इंस्टाग्राम से बातचीत शुरू हुई और दोस्ती में बदल गई।

छात्रा पर करता था किसी और से भी बात करने का शक

आरोपी चंद्रकांत मरावी छात्रा पर शक करता था कि वो दूसरे से भी बात करती है। इसलिए वो छात्रा का मोबाइल लेकर अपने घर चला गया। दूसरे दिन लड़की ने फोन लगाकर बुलाया। दोनों दोस्त के साथ स्कूटी में नर्मदा किनारे पहुंचे। दोस्त स्कूटी से छोड़कर चला गया।

इसके बाद दोनों के बीच में काफी देर तक बहस चलती रही और बहस मारपीट में बदल गई। इसके बाद आरोपी ने मारपीट कर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब लड़की भागने लगी तो उसने अपने दोस्तों को भी बुला लिया। पीड़ित कुछ दूर जाकर बेहोश होकर गि गई, तो आरोपी उसे छोड़ कर भाग गए।